

अथ पारो हि कन्या यति ल जे न



	आच प्र हर ४।	
--	-------------------------	--

2383

ग्राम ग्रन्थालय
ASHA ARCHIVES

पहिले सींगी फरावतु पारो ही फरु लाई वेस सिंगी फर
का गतिको अमीलो असुरा को पात्रा वी साता १ स
म्य खल गरी श्री ज्ञा रा वी ज्ञ न मारा वी प्र हर ४ स म आ
च दी तु चासो पाती फेड़ गुरु भोली वेर ही फी पारो लीत
सींगी फमा आधा पारो आठ वेस सिंगी फर भ्रम्रा जती
वस वठ लानी फल द हरोटी यलो हो सवे रस का द
वाई मा पारो रावतु ई द ॥ ॥ ॥ ॥

५३३३

भीमसीन कुरवनाड्या कद पजत्र



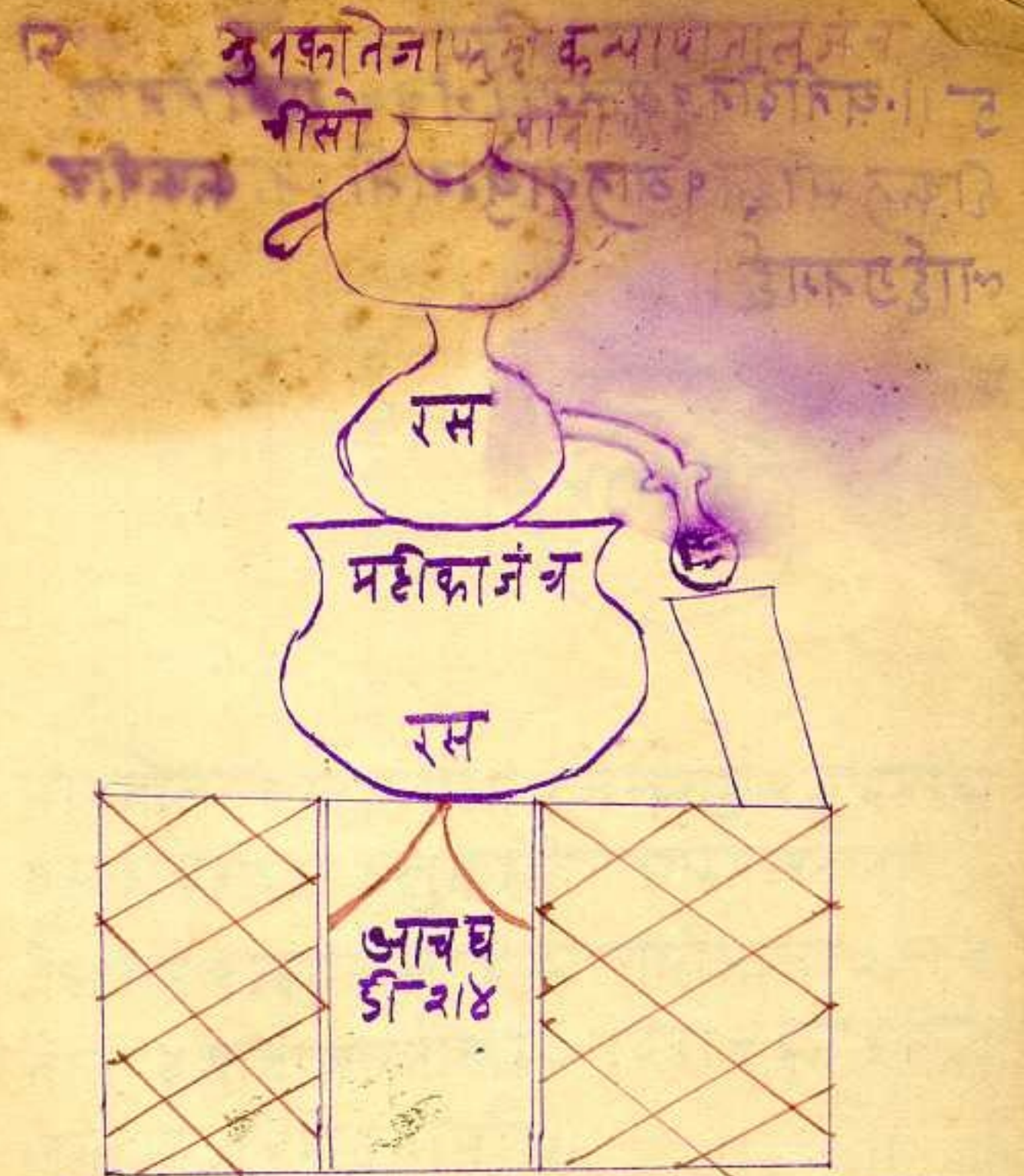
लवाहावान तोला — ८ मजिरो तोला — ९
 सुधमेल मासा — २ लवाडू मासा — ९
 मरीच परा — ७ जवागु मासा — ९
 कपूर तोला — ८

प्रतिचुरागरी पीतलको थालमा राखी वटुको
 ले छोपी गोवरले मोर्छवनीका अल्लाङ्गु वास
 आयापद्मी भिकु आयाडुव्या मालाङ्गु फु
 लोनाई ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अर्कोतको व

कस्तुरी तोला ९ रुकुमेल तोला ९ केसर
 तोला ९ लवाडू तोला ९ हरीप्रोवासको गोल

ताल ८ कपुर तोला १ मांसा तोला १ वंश का
 मांसा तोला १ मांसा तोला १
 चीमसी लाह मांसा तोला १ मांसा तोला १
 आकरोर ले छोपा सास चूड़ने गरी पीठाले
 गरी पीठाले धेरा माला ह्वी का लो ३० ॥ ॥

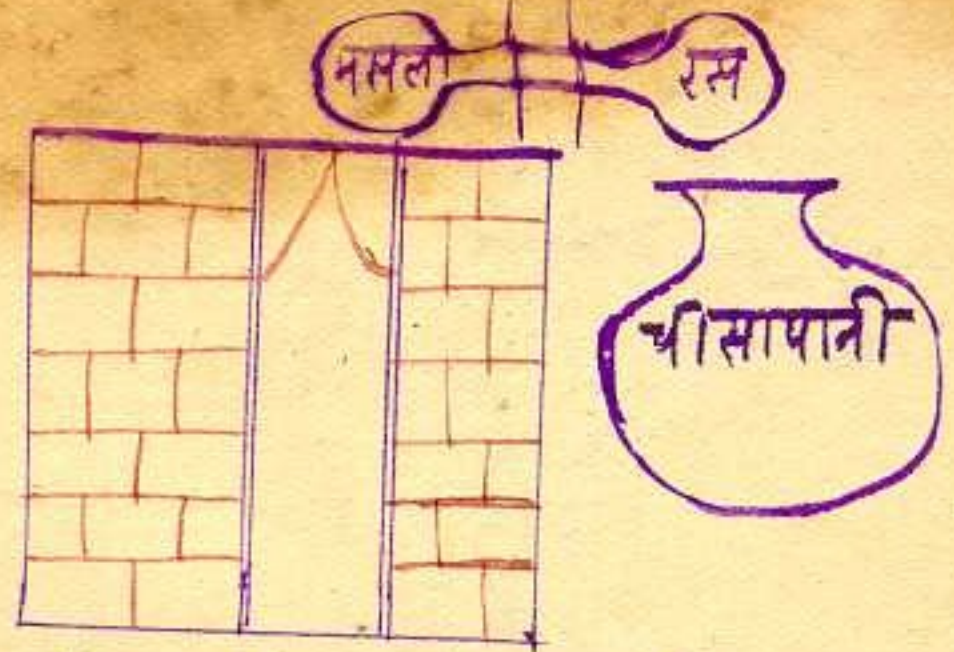


सीधे ठूठ तोला ५ फूड गीरी तोला ५ स्यरा तोला ५
 यती कागती कार समा दीन १ सप्पल गरी जं न
 मारावी आच दीठ तेना फूड क ठसी ५ ई ई ॥ ॥
दोम्रो

ठूठ पाड ३ फूड गीरी पाड १ स्यरा पाड १ चूक पा

५ ॥ यनीदीन १ खलगरी नै चमाराबी तेनाफू
 दीकतु सीक्का १ खातु वायुरवासी इमा कफपीन
 लाई गुनगई ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथ मोमकानेल वना इया जै न हे
 पाताल जै न
 महीका जै न



मोम तोला ४ स्वर तोला २ तेल पाउ १ यदवा वा
 तलाई वर इहे मे लुता होते मे घाउ मे लगाना
 तेल पाउ १ स्वर तोला ४ फुङ्गीरी तोला २ मोम
 तोला ४ सजीआर तोला २ यदवा बहुत इहे मे
 लगाना जै चमे उतार्ना ॥ ॥ ॥ ॥
 मोम तोला ४ जवाआर तोला २ तेल पाउ १ यद
 वा बहुत आडू इहे मे लगाना ॥ ॥ ॥
 मोम पाउ १ तेल पाउ २ नुन पाउ १ यो ओ
 यधी आडू इहे मे लुये आय को माला उतु

जागेगा वायु अलहरेगा ॥



पीपलामेन्टिकन्या

पाताल जे न

उहवा मसला का आम
देनाथ कश्रमही डाइवेपी

कश्रमही डाइवेपी

बुना

बुना

रस आवे
थडा क
तका ओ

गा सीली
नी सवजा
सी हे

बुना

बुना



सुक्काको पुडीना तोला १ अलेची तोला १ मध्ये
ल तोला ॥ मरीच तोला ॥ पोप्रा तोला ॥ कवाफ
चीती तोला ॥ अककला तोला ॥ लवाड तोला
॥ दा लचीती तोला ॥ दल्लाची न चुरा कर्के

धीरे धीरे चार बुत्ते पाताल में च पर रख के
 उता गरीबों के चार बुत्ते पाताल में च मे रख के उता गरीबों के
 वायु आसी दमा कफ पीत सैनी पातु देव राहाला
 ईनी को ईछ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ५. पी प्रामेन्ट तयार होगा दाहा पेसा व व ड ड वेव
 बत में यात पल प व ड गीते ड वेग मे में द ड प
 उ आल प आल भया को वेला मा व्या ड व ड न
 ड ड मे लग ड धा न मा बा न ड ड ईछ ॥

३३ ॥ १०८ जे ह १६ ॥ १० डेवी
 का जीम चम ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥
 १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥
 १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥
 १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥

अनुपमती वय वीरुतली

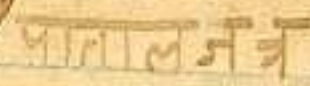
वेध कसि सा

मीन डोही बिस्वास घाटी
 भीभीलन बहाल र वि भा ओं ए ड गा क के एम च न
 सेमीला डलने रा व ए को राज ल व अराव के सा ओं
 ए अयने कुल को नाल कि सा डल लाज से प्र क व ल
 त क। सि ए ड ड सा ओं ए अयने कि सा का प्र ड ड
 दा। किल व कुल गंजा सा
 ओं ए अयने मुने माहा डेव को ग प त्या के ए व रा प
 दा। डी से विश्वास घाट कि सा कि सा प्रति को ले

सुपरीक्षा १८७१

महाराज बल्लभ जोग । ५ आदित्य महाराज । १६

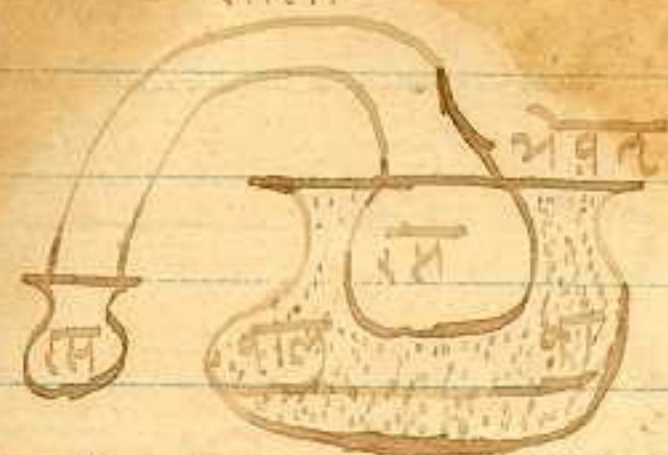
॥ चलो प्रगती केरु ॥



खरा तोला ४ फरकीरी तोला ४ जवावार तोला ४ नैसागर
 तोला ४ कमिस तोला ४ सिधे गुरु तोला ४ यतना चुकमे श्री
 लाकर जंत्र मे रखके उतारि वन्दुकनाल पर लेखना तवरि मे
 सुला तूली कालना सवने तपारी है तेजा फुलेना ॥ ॥
 ॥ अभता वेद वताने बही जंत्र मे है ॥ ॥ ॥
 प्राण्डेला पाषाण लोतो धानी ॥ यतना चीज जंत्र मे
 इतानी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ अथ गजंजं न हो ॥

सीसी



उपसे रितसंग

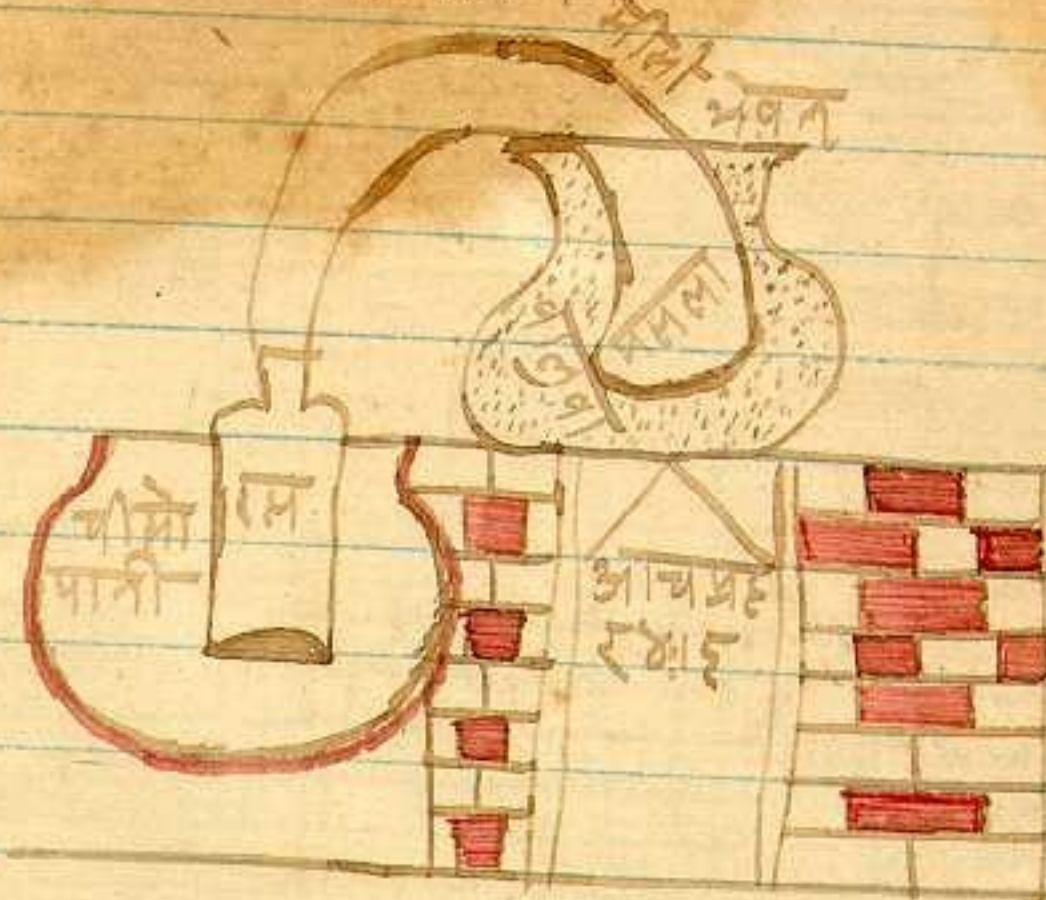


तुसधानादिगरी याको कोतेल रुकता मा गजंजं चमा
शिकनु

श्वता याको आतये तातो गरी तेल शिकरू असाधे
कोपनी साध्य ईध सो होरो तले उत्तरवारुनिको धाच
गरी सम्पूरा विजको चूरो ते सेवामी लाई शिकनु सब
हाडको सब जेवको सब मासुको सबे सुक्याको अने रक
बस्तुको पेनी संपूर्ण कोपनी यसै पाताल जेव मा शिके
उ वास आदि गलाको सबे काठ र नरोवल को कपाल मा शिके

॥ अथ रोगी तेजाफू निकला जं न हो ॥

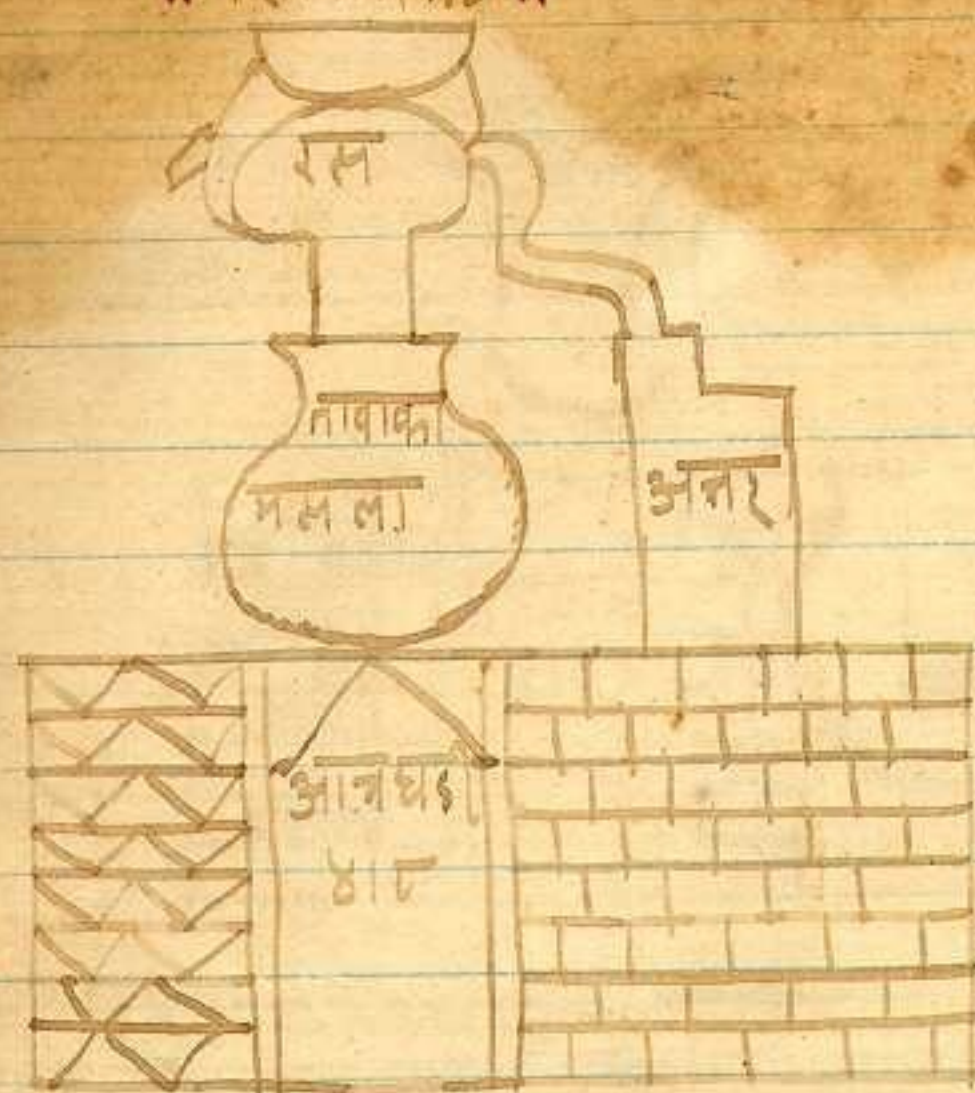
गजंजं न



कहरवा तोला पत्याग तोला रमाल धुप तोला व कमि स तो
ला र नौला गर तोला पयति धी सी चीनतु चोवर पानी हा
लनु यक आकल सी सी धाली मुखजोरी कपर माहि गरी
मसला मसामा पानी धुप पाल आचडीतु पानी मुखमा प
दी शिकनु तेजाफू र रुखा धाली चाही माता तो हुन न
पा हुन्दा गरी मुझे भीजाई वरोवर भीजा ड दे गर्नु तदा
रमया जको काठत सवीर माला ड ॥ ॥ ॥

॥ अथ दाल्घीनी का अंतरही कन्या गोत्र है ॥

॥ दोहोपार्ति फल ॥



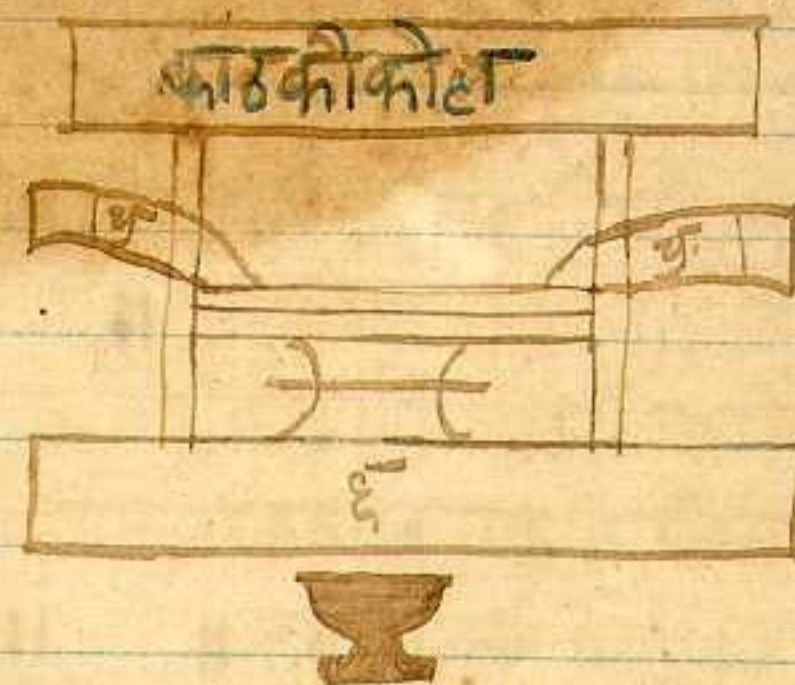
दाल्घीनी धानी डवा लवाड-पाड व तिलका तेल तो
ला प रोगर तोला प यत्नाची जंजंन मे रब के कतानी ॥

गुला फलका अंतर मिकुदा ॥ गुला फलका फुलपाणी व
भीवं ड चुरा धानी प नागे श्रीगाना व अलेची को
ला प लवाड तोला २ जल पाणी प यती दे कना
रुकी कपालका द द्यागे वडा म का तेल माभोजा

अवका मारा वतु ॥ ॥ ॥ ॥

८

॥ अथ गोहाही कन्या को ठां न है ॥



धतुरा को विजा चुरा गिरी प्रसोत वस्त्रमा धानी कुत्र वासुनी का
का वना मुह का ला का जाला राजी आगे मालता है ता तो ग
या पछे क पडा मापो का पारी कोल ना पेल ॥ लेगु पु क
मुल क मास का वो आ अपा मार्ग प्रती को भी ड र गी धतुरा को
का भी क्यो रे शे कतु अ कै ल कतु वी को मुल वा कुची ड कडा
देव दारु क धाति वती वलु चुरा गिरी अपा मार्ग का ठमा ले च
न गरी कोल ना पेल ॥ धतुरा को का जरा का का ठ मा गेल
भी क्यो रे अने पाल को तेल का जला गे ला डू डू तु म्बी दे
व दारु परवल इन्द्र वासुनि तिन्न को सात का विजल पा धि
रा गिरी का कतु दिर अपा मार्ग का का ठ मा सोा है प्रका र्थ

गतेलभीकतु ॥ चितो बुम्मा कावी आ गोवर मा मुद्धे
 धातु सुका याको संग बल गरि अंगरात्र कार समामु
 धो धाम्मा राखी सोही प्रकार संग तेल भीकतु ॥ ॥
 माहाकाल विज को चूर्ण गरि अवला को रस मा साधवे
 रखल गरि आगो मा पुत गुर को लमा पेलतु ॥ ॥
 पिपला का कतु म्बी कावी जाको चूर्ण गरि फान्त पासा
 रूको चूर्ण पनी डोले संग मोहा धान का रस मा वप द्ये
 समझ दो पीरा धनु पद्धि पुती तेल भीकतु ॥ ॥ ॥
 पलास को विजा को चूर्ण मा अवला का रस मा दोन पराखी
 दो आ डोत मा भीकतु तेल भीकतु गुंजा को बोको दोर द
 गुडी का चूर्ण गरि मान सफा पुत्र मा बल गरि उवेर मा
 बनाई दी गुर का साका थाल मा लेप गरि सोही प्रकार संग भी
 कतु ॥ रत्न माला का दाठ को चूर्ण गरि जोति सप्त ति को
 बोना मा मुर्ज पाक गते तेल भीकतु ॥ चितो विम्व फल को
 चूर्ण गरि नरि बल को पानी मा मुद्धि त पगरि सोही रित
 ले भीकतु ॥ गुंजा अला मो का विज को चूर्ण चीतु का जए
 को चूर्ण भी लाई नरी बल का डड मा मुद्धे धाम पासा काई
 पन न म मा ॥ बाधे सो प्रकार ले तेल भीकतु ॥

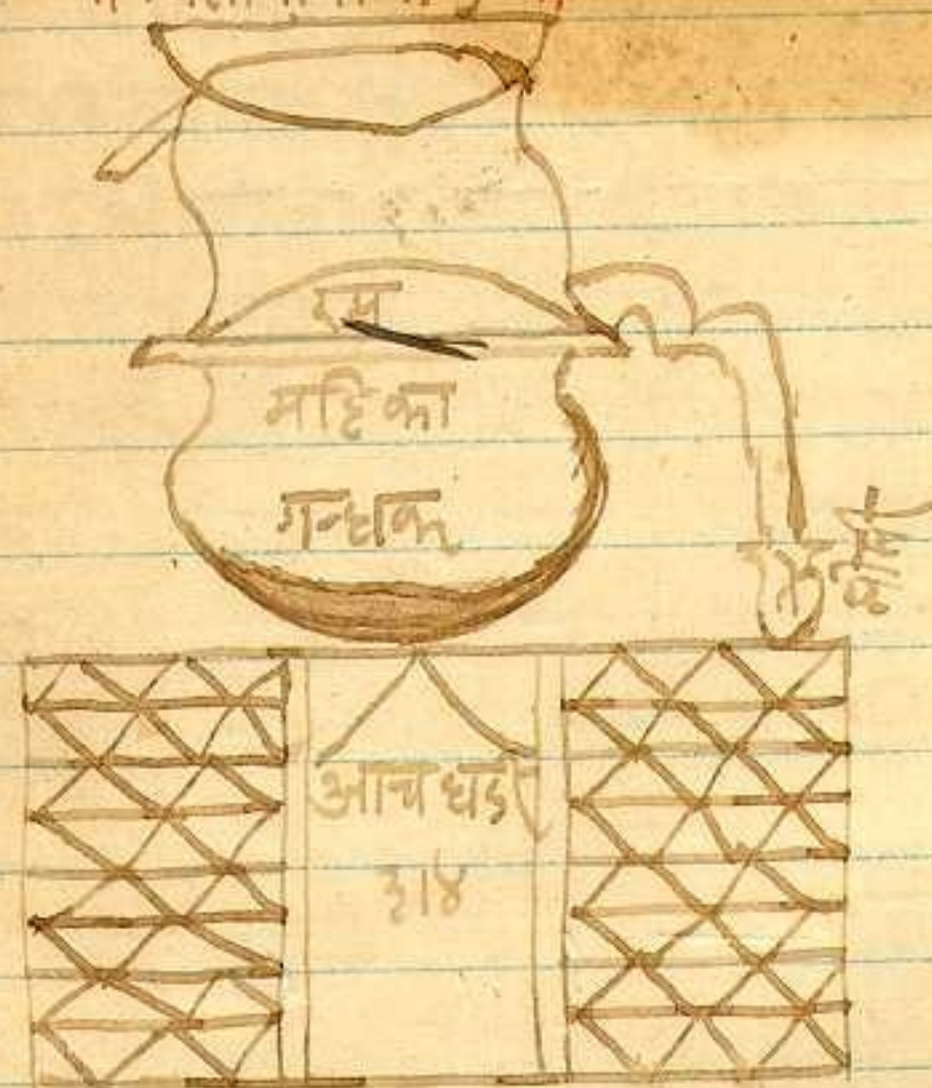
आपका विज अडुवा चूर्ण दसको दसां स चीतु का जरा
 को चूर्ण राखी नरी बल का डड मा रखल गरि तताई म्ही
 की सोही रीत ले ग मा कतु पुत्र जीवी को मर्जा अग
 लि बीज बेल का बीज को चूर्ण आमा ठवन गरि तेल जी
 त्र मा राखी दिग मा तेल भी अकोलु विज का मुख अ
 लीक का त गुर का मा पुत्र मा राखी ठाडो गरि राखतु
 र वना का पीको ले पुं बल गतु तेल मा मुख मा स्वाग तु
 राहा लीले गरी नीको का च पा राखतु र तेल भीकतु अ
 थवा का हा का ताडा मा अघो मुख गरि तेल वाट पनी
 फाला को पा न राखतु तेल भीकतु

श्री १५

म्ही १५

॥ अथ गन्धक काले जादू रिकपा पाताल जंत्र है ॥

॥ चिसो पानी फेर ॥



अब लासा गन्धक तोला १८ यत्ता चीज जंत्र में रख
के उतार नीय स्काग रा सिक्का व खावे मुलवायु गोला
हरेगा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथ लवाहा वारु काले जादू रिकपा जंत्र है

पाताल जंत्र



लवाहा वारु तोला ५ लवाहा तोला ५ प्रतिचुरागिरी पाताल जंत्र
पाराधी रिकतु तेजादू सिक्का व खावे धातु पुल ईष्ट
दो आते जादू
लवाहा वारु तोला १२ प्रतिचुरागिरी तेजादू रिकतु सि
क्का व खावे धातु पुल ईष्ट वल ईष्ट



॥ तिसाका वर्तु ॥

सोय तोला ५

अमलासारंगंधक तोला ५

प्रतीचुरगिरी वर्तु में रख

के आगरम के जला डपा

तीने ज म्र जायगा सोली

धके पाताल जं न मे रख के

उताता ॥ ॥ ॥

३

॥ अथ गुलाफ का अन्तर निरूपण जत्र ॥



आयुध
५४५

गुलाफ का फूल का पता तो
ला २ गुलाफ का फूल का तो
जल का तो १ बोक्ता छोटा

को अले बी तो हा ४ मव भा मारा बी वा मदी फी का ली

॥ अथ अनेक रका अरव नि का ल न्या जत्र है ॥

॥ चि सोपाती के ॥



गावाको

मसाला



सहन धानी प पुर्न वा सेर ४ गुलाफ का फूल सेर २ गुर्व सेर १
वरी वल सेर ॥ दोरु सेर ॥ म्र का दाख सेर ॥ व ड का ज ता

केसर तोला १ लवाङ तोला १ शुभ्र मेल तोला १ लच्छीनी
 तोला १ जाह्नपत्री तोला १ धवारा का फूल सेर १० यती महर
 लीग तोला ६ महिना वसन्त धामारा रानी जिनमारा रानी का
 लता सहर्धानी १ मुसली सेर २ गोबुर सेर २ गुजरी से
 र २ सता वरी सेर १ वड का जता सेर १ धवारा का फूल सेर
 १ असो गंध सेर १ नीर कमल का फूल सेर २०० गुलाब का
 फूल सेर २ अकफला तोला १ लवाङ तोला २ दाल्चीनी तो
 ला १ शुभ्र मेल तोला २ जाह्नपत्री तोला १ केसर तोला १ न
 रीवल सेर २ छोहरा सेर २ वेदाना दाख सेर १ यति चुरा गि
 रावतु ॥ ॥ गौरव सुन्दी पंचाग धानी ३ गुजरी सेर २
 पलास का वोक्रा सेर २ मुसली कंद सेर १ नरीवल सेर २ सता
 वरी सेर २ अश्वगंध सेर १ तेजपात सेर १० वेदाना दाख सेर १
 विकारि कंद सेर १ सहर्धानी १ बाहा पु सेर १ लवाङ तोला
 ४ जाह्नफल तोला ४ जाह्नपत्री तोला २ श्री बंड तोला ५ दा
 ल्चीनी तोला ४ केसर तोला २ सागु बोका कोमालु धानी
 ५ गोबुर सेर १ काड ह्या का वोक्रा सेर ॥ ६ धपा जालि सेर १
 यति चुरा गि रावतु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

छोहरा धानी १ दाख पाड २ धवारा का फूल

सेर १ क्षिमेर कोर ससेर १ वयर को वोक्रा पाड २
 तिचुरा गि रावतु ॥ ॥ ॥ ॥
 सहन पाओ १ गुड धानी २ छोहरा धानी १ गुजरी पाड १ ध
 वारा का फूल पाओ १ दाख पाड १ क्षिमेर का जता सेर १
 किमना कुर्वा २ पोके कुर्वा २ यति चुरा गि रावतु ॥
 गुड धानी ४ धवारा का फूल सेर २ जो प्या सेर १ तेज
 पात सेर १ छोहरा लो सेर १ हरी सेर १ अवलाले १ व
 यर का जरा सेर १ उमीर सेर १ यती चुरा गि रावतु ॥ ॥
 कोप गोला १०० गुड धानी १०० धवारा का फूल धानी ४ गु
 ड धानी १ सुन्तला धानी ६ मरु धानी १०० वो अर बलि
 नात्रा रावतु मलाला ॥ ॥ दाल्चीनी तोला २ लवा
 ङ तोला २ शुभ्र मेल तोला २ जाह्नपत्री तोला २ श्री बंड तो
 ला २ केसर तोला २ जोरी मधु तोला २ इलेची तोला २
 यति चुरा गि पोक्रा पाति रावतु ॥ ॥ ॥

पञ्चक परे कोर शत्रु
 धनेष्ट, शतत्रिषा, पूर्वभाद्र, उत्तरभाद्र रेवति
 एति न शत्रु मादे हान्त भयाशा न्तिग दुभने
 ग्रन्थ मा कहिन्द

॥ अथ अरवनी काल पाताल जंत्र ॥

॥ बीसो पानी ॥



सेफपाकी सुगुड धानी वयलाची ५
 ५ पाणी सुगुड धानी वयलाची
 पाणी सुगुड धानी वयलाची ५
 पाताल जंत्र मे रखके उतानी ॥ ॥

ज्वाट मे ४ पीपला तोला पकाफल
 का वोक्रा तोला प अठो
 तोला प मरीच तोला प अकक
 रा तोला ॥ ज्मे श्रीम धु तोला ॥
 पानाची ज चुरा करके जंत्र मे र
 खके उतानी तोला ॥ आना

प्रभुती वायु जा सडि सित ज्वरा
 जाय कफ मे मृदु से मीला दिके वायु अफो मरती प मे मीला
 इके आवे तो धोकी हरती ता पोरा शुभ वाता ॥ ॥
 जवाना तोला १० सोमलका वोक्रा तोला १० हडि तोला १०
 भुख मेल तोला प श्रीधंड तोला प वेल पत्र तोला प चोनी तो
 ला प पानाची ज चुरा करके जंत्र मे रखके उतानी ॥ ॥

तोला ॥ आवे गर्म जाय मूत्र करे गजा म धातु जाय
 गर्म चीज बात ॥ ॥ जवाना तोला १० चोता का
 वोक्रा तोला प हरे तोला प विमातु तोला प सीधे तु
 द तोला प अजमो दा तोला प मरीच तोला प पीपला तो
 ला प पानाची ज चुरा करके जंत्र मे रखके उतानी ॥ ॥

तोला ॥ आना वायु मूल सुधा सागर पाचकी
 अरव ॥ ॥ जवाना तोला १० वडा म तोला
 १० मुसरी के ५ तोला १० वाकुल पाप्मा को जरे तोला
 १० सुख मेल तोला १ जीरा तोला प कलुरी प्रासा प म
 ह तोला १० धोहरा तोला १० कुन्हिला का जरा तोला
 १० श्रीधंड तोला प पीपला तोला प नागेश्वर तोला प ची
 नी तोला १० दाख तोला १० पानाची ज चुरा करके जंत्र
 मे रखके उतानी ॥ आ तोला १ आना धातु पुष्ट वल
 द्वि हो जा ॥ ॥ जवाना तोला प गजाना तोला प

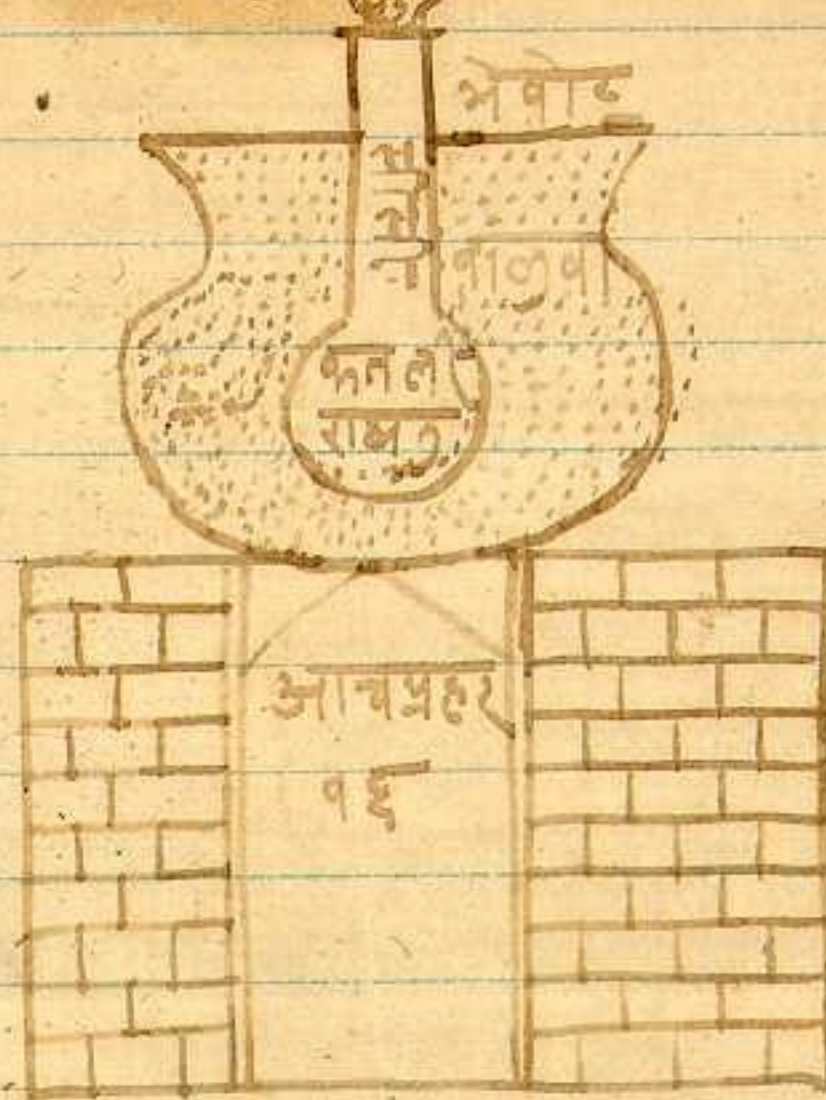
काफल को वोक्रा तोला प जातु ना को वोक्रा तोला प
 गान्धागुजी तोला प कोहरा ला को वोक्रा तोला प अ
 श्वा को वोक्रा तोला प नकु दिति तोला प वाकुपत्पा
 का जरा तोला प औसाल को जरा तोला प पानाची ज

पुर्णकर्मजन्ममेरुके ५ ताना तोला वधाना ५ हि भाद प
 धडेना अने कप्रका ५ ताना आनी पगा गानू गोला थे
 गानमे आवे ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

जवाना तोला ५० कचापका हरे तोला ५० बुडो तो
 ला ५० सजितर कावी आ तोला २ सतना चीज चुर्कि
 के पानी मेर २ र अके जन्ममे ५ ताना सीधा ५ धाना
 वरुन होगा दही भाद आना दल आमी दगा ॥ ॥

१२

॥ अथरसमिन्दुर वनाउने वालुवा को जंत्र ॥



फहिले पारे गन्धक वरावर गरी कजली गर्तु दोन वधलगतु
 ताहा पदी सीसी मा ५ पत्र कपर अहिलगाई मुकाई तेही
 सीसी मा कजली मिर्तु वालुवा का जंत्र मारावी प्रहर १६
 रात दोन आच दीतु अरु न वरावर ईदुर ससीन्दु आना
 र ईदु फेरी सोही रस सिन्दु आ पारे दो कतु फेरी २१
 मारा गर्तु अती नेतर ससिन्दु वरुन रससिन्दु जो

मारु चमार वना डना के सिन्धी का पारो तोला १
 रस सिन्धी का पारो तोला १ कागती कार संमा बल गरी
 गरी बल का डुड मा १ धूप मा १ गाई का डुड मा १ भाट का
 भाट मा १ यती मा १ दुंदी १ कमीला तोला १ सती गेडी
 तोला ४ अजे पाल तोला ४ बाझी का मुख तोला ४ तेज
 तोला ४ साटु जात का १ तोला ४ कराठ कारी तोला ४
 मुहली तोला ४ यती बल गरी १ पदी पदी पारो लाई सु
 र बुवा १ फेरी लाहा को रस रक्त चन्द १ यती हाडी मा
 हाली पका १ ते से पारो लाई कपरा मा पो का वारे दम्बर
 मंत्र मा गरी यती गन्ना पदी फेरी ते से को कमली मा
 हाल पा को रस सिवारी तोला १ ता ल भाना तोला १
 धूप का री तोला १ अकुं र तोला १ धोरता मा तोला
 १ यती मा बलगन्ना पदी सि फेरी चाम मा मुका १ फेरी
 बलगरी चलो गुल्पाई सीसी मा १ पत्र कप र म दी ल
 गाई मुकाई ते ही कमली सी सी मा हाली चला व माई
 भेगाट मा बालु वा माता ४ तल राखी सीसी वला १ अरु
 फेरी बालु बाले ६ अगुल सीसी का मुख बाकी राखी आच
 दी १ पदी ले को आच सागु २ दीन आच ठलो दी १ ते से

तरह ले चार दीन रात सभ आच दी १ प्रहर २ सतिग
 पाप दो रस सिन्धी का डुड ॥ ॥ ॥
 दो मो रस सिन्धी ॥ ॥ पारो तोला १ सी मा तो
 ला १ यती कमली गरी गन्ध का तोला १ फरुगी
 री तोला १ मो सागर तोला १ यती बीज बलगरी
 सीसी मा हाली बालु वा का जंत्र मे उता गी ॥ ॥

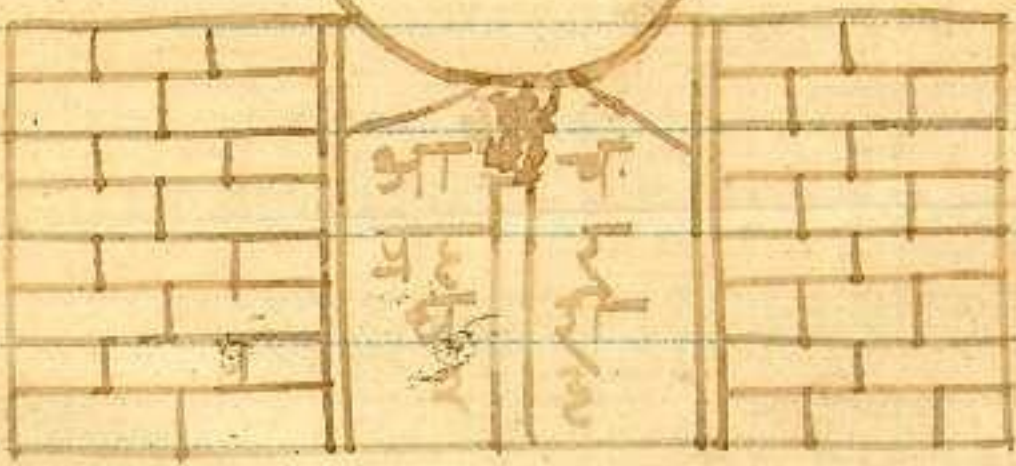
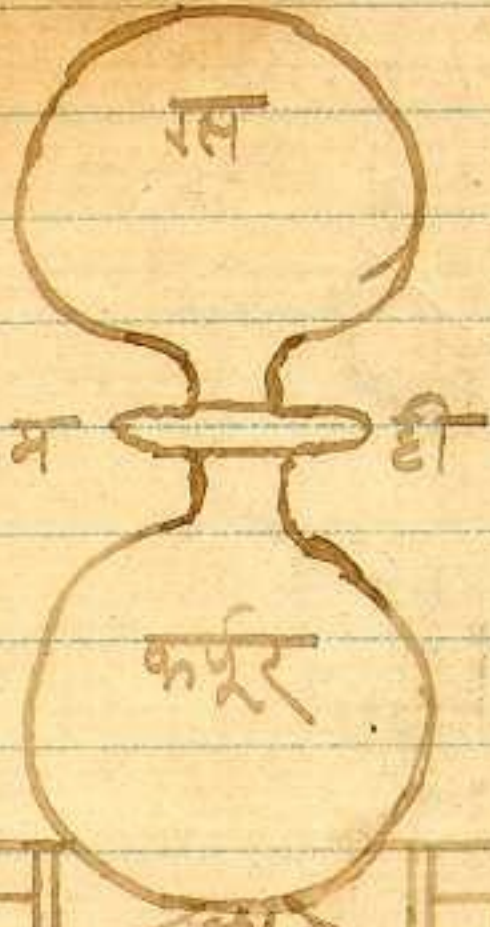
पुष्ट को तेजादू की तेला मोतागर राखी देरी मा
 ल आडू ६ आडू १ नुस्ते

गोबर



दीयालो सात रंगरे याग्री श्री हलु गाग्री कापी
 इमा प्वालपारे राखतु गाग्री भरी गोबर ले मोरु मा
 ठी वाट सलकाई दुत् पीडवाट तेल आकला जो
 तेल के ही दवाई मापनी जोई रोगरु पनी कूँद ॥

॥ अथ कपूर खाड् पापनाल मंत्र ॥



माताका भाडा शवनाकु व भाडो मा कपूर राखतु
 व भाडो ले छोपतु सासमानन पावस कर प्रभ
 दामा आच वीरु उपदयो भाडो मा कपूर पानीमा
 श्रीजाई करावर लाडु डोगतु भाडो नातो कुतुपा
 वस मकाभा पछी निक्कत ॥

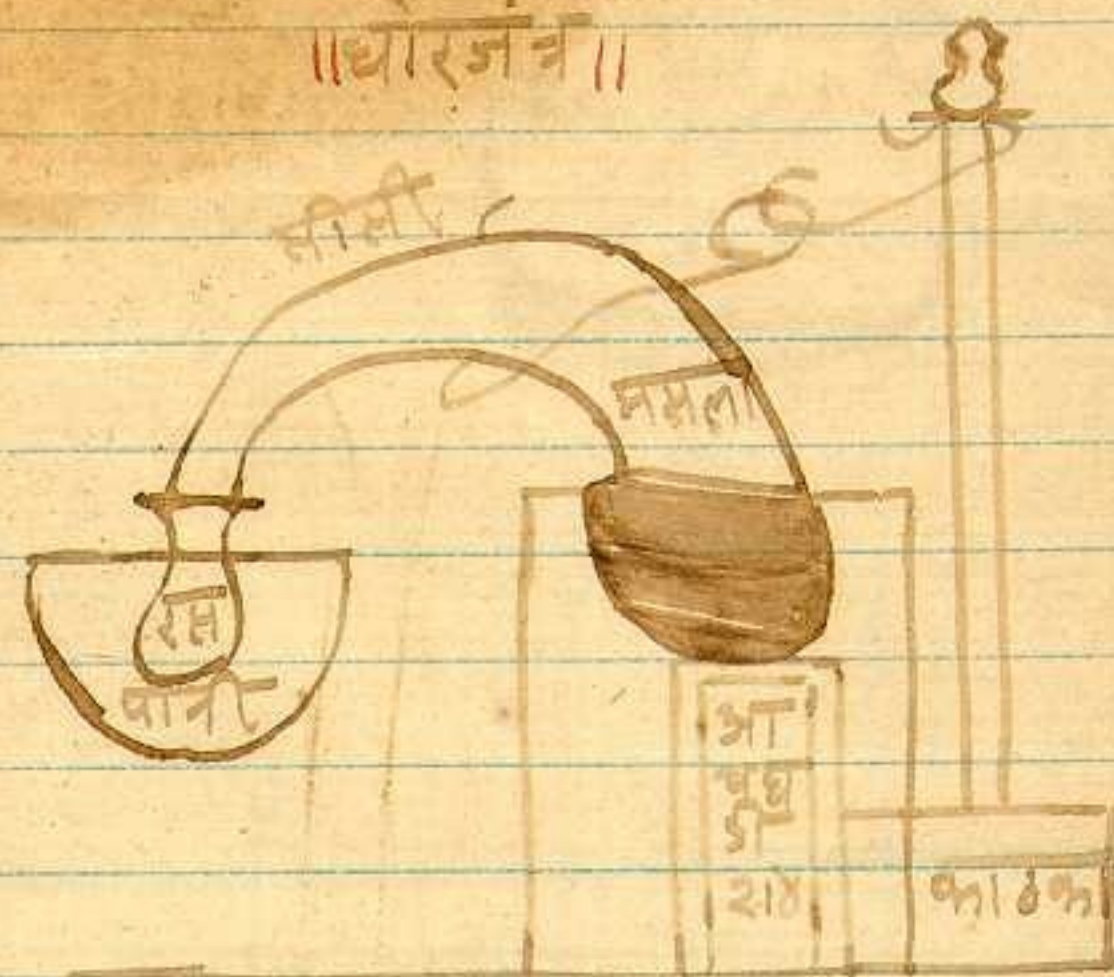
॥ अथ मृगां क बना ड्या जं न ॥



आन
रस

पारे तोला हरा तोला ३ अवला सार गंध कनो
ला ३ नौ सागर तोला ३ पहिले राहू पारे राहू
पल्लि सुके मसला मीला हू क जली गुं वीर व व्युल गुं
सीसी हा क परा माहली सीसी मा क जली हसी गुं
इथाका आच डिउ सिमिका मुअ वाधु वा आउध
अवास कापदि हो क ७ मृगां क त का हुं ध ॥ ॥

॥ धोर जं न ॥



की राहू ने ओ लघी
अवे जालो न न धाम् ल्पा ह हा डी मार बी
धो पी सा ज सी त व फा ह ता त ता तै की ए
ला गे हो राड मा से बी डी ताले की ए डी मों रु ध

॥ अथ मृत्तिका सोधना दोला जंत्र है ॥



कुम्भी डोकार सप्तम वाष्पिका मुत्रमा व दही को पान (मा) व
कां जि मा व अगलिका फुल मा व मति कार सप्तमा श्री ५ रग
री दोला जंत्रमा प्रवृत्ति ला कपट मा पो का पाणि कुम्भी
पका कुम्भी मल्लिका मुत्रमा ॥ हतलि सोधना ॥ ॥
केस को गाना मा व तिल का तेल मा व गार्द का गहू मा व श्री
फला मा व कुम्भी डोमा व मृत्ति चोक्का श्री ५ रगरी हाउ
मा मुत्ति रातो गरी सो हो पूा गु ५ हतलि सो हो रस

मा सो हो रते लप ना ५ हतलि मुद्र ड ॥ ॥
हतलि मृत्तिका सोधना ॥ ॥ कुम्भी डोको रस मा
व वाष्पिका मुत्रमा व कां जि मा व अगलिका फुल मा व मति
कां जि ५ रगरी दोला जंत्रमा पका ५ हतलि मृत्तिका सोध
ना ॥ ॥ पाणे सोधना ॥ ॥ पाणे ताला
फा को री तोला व श्री फला तोला व श्री तोला व मति
कर म ड ॥ ॥ चक्र तोला ३ ही ड तोला व रा
त्री तोला व सान्नीवार तोला व मी पात तोला व मति
ओल धी हाली दोला जंत्रमा व रगरी डी न ह मा पाणे
मुद्र ड ॥ ॥ हिंगुल सोधना ॥ ॥ ज्वाला
र कार स दले रने मुत्रा का र स ले त्रे सो का ड दले अथ
वा वाष्पिका ड डले वे ७ म ड हिंगुल मुद्र ड ॥ ॥
सर्वे धानु सोधना ॥ ॥ वे ७ तेल हाली पका कुम्भी वे ७
७ धा सी का मरो सली ला कुम्भी वे ७ गौठ प्रमेल कुम्भी वे
७ को जी मा सला कुम्भी गहू को ड दही मा हाल कुम्भी
लाग तोला व हतलि तोला व गन्ध क तोला व मति मी
लाई हाली धूप कुम्भी हाली पोत वा ह को गरी व वाई
कुम्भी हाडी मा हाल व जत उपध्या को ग म मुद्र ड

मंजव न मरत फलान क दे अ मंजव पानी प्रा उत मो त व अ
प्राग्नी जानु सखे प्रकार ले लवे धातु सो ख ॥ ॥ तावा सो
सजा ॥ ॥ आभीर कार सले वे र अ म द्द उ ये स का ड उ
वर अ म द्द उ तावा सु द्व हो गा ॥ ॥ बौदा मार त्या ॥ ॥
सेव भस्त्र मदी ग्रह हाल नु मु द्व हो गा ॥ ॥ पीतल को का
सगर्भा ॥ ॥ रुपा को चूरा पा रो को र ल संग सीला उ पु
द्गी हता ल गंध फ व रा व र गरौ नी गु वा को र स ले म द्द उ इड मा
इ प ल ट ज लाई अव रुपा म र पितल का का सा हो ई ॥ ॥
सीसा म र्मा ॥ ॥ मृता की मनु नी ना ठि सी सा वि ला उ
उ व दा मा अ लु र कार स हा ल नु मनु सी ला गंध क हा ली के
र उ पे का कु त व सी ला म र ॥ ॥ रांग भस्त्र गर्भा ॥ ॥
रांग भा गंध क सी से ल का इड हता ल प्रती सी लाई म द्द व ग
उ पो प ल का बो का चूर्ण हा डि मा हा ली म र व उ ड ज ला
उ नु बे र म रांग भस्त्र दुँ ॥ ॥

॥रुपाको मुनवनाक्या॥

गोवरलेमार्त

भोगोट

१२५१

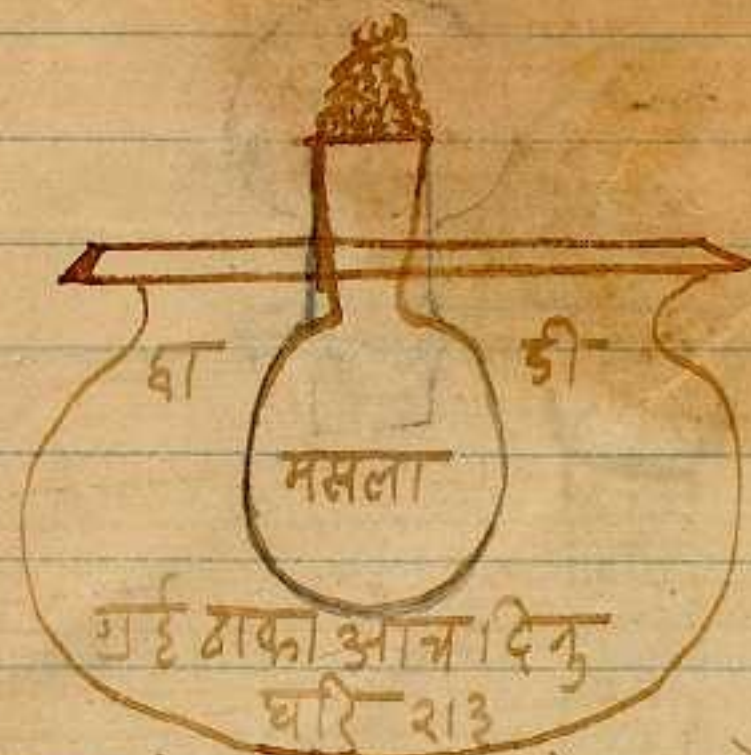
गईलको आच
लाकुर

रूपा तोला १ देवदारु कोरस दोला १ सँख्या विख तोला
१ सेतो सस्रू तोला १ पाण तोला १ यती मीलाई १ खरका
बोक्रामी चहाली गोवर ले मोर्ग वाहापद्धी भेगोत्तम रात्री
गुई ठाले दोपी जलाकु १ यमै प्रकार ले २१४ फेरा जलाकु
रूपा को सुन तयार ईछ ॥ ॥ ॥



अनारक्षानेकावर्तन

॥अथसिगरीफवनाडमाजंत्रेहे॥



पाग तोला २ गंधक तोला ५ नौसागर तोला २ सीसा तोला ५
यत्ना चोज मीला इके प्रहर ४ बल गरी सीसी भाक पर भारा
सी भा चडी गु घडी २।३ पद्धी उतार्नु सी छुई छ ॥

भावाडि ॥

॥हेजार अर्धो अर्ध मा भाल न तेह ॥

आक कापात कोर स मेर ५ स्पूरी को डुद मेर ५ सजीव र काज
रा कोर स मेर ५ कुट तोला ४ सिधे गुह तोला ४ कोजी को पा
नी ले ५ तिल को तेल मेर ५ सबै वल राखी पका कुह र पानी
मुको तेल मात्र बाकी रहे पाछे कपड छान गरी सीसी भा गरी रा
खनु छौ तेल बहु ते जाई दाई छ ॥

॥अपाक भसा भाखने ॥

२-३ जो तोला २ पुदीना तोला ३ कुलिज तु तोला ५ अग्र तोला
५ कपूर कचरी तोला ५ मुठो तोला ५ सोप तोला ५ दाखी नी
तोला ५ जाय फल मासा ५ छौ ओख धि सबै मासे गु गरी पी
न्ही ठर तो को भात्रा गरी खातु ससले हे जा अति सार पेद
को मुल अपाक इत्यादी पेद को वेठालाई गु रा दो छ ॥

॥अपाक भसा भाखने पचक ॥

जीरा भाग ५ सिधे गुह ५ वीडे गुह ५ मुठो ५ मरोच ५ पीपला ५ अ
जमोदा ५ हर को पोन्का ५ भुटे को हीड ५ लेखी ५ का ओख धि म
सी गु गरी पीन्ही इ मासा देखि इ मासा स मको भात्रा गरी ताता
पानी संग भात्रा गु आराम है छ ॥

धौल का कान के मेल नात्री मे भा के ली पने से दे साव

॥ बदहजमी कोइलाज ॥

दालचीनी २ सुठो २ सुकने ल १ जाई फल १ सतं चीज ममी
गुगरी पीन्ही सके पद्धी तातो पानी लेग वाची लो पाने मंगवा ॥

॥ बदहजमी को पाचकु ॥

हरो ६।८ वायु विडङ्ग २।५ बरो ६।८ पिपला मूल २।५ अमला
६।८ लवाङ्ग २।५ मरीच ६।८ भुदेको फल कोर २।५ पोपला
६।८ सनाई २।५ अजमोद ६।८ सीधे तुल २।४ सेतो जीरा ६।८
सौचर तुल २।४ कालोजीरा ६।८ सावर तुल २।४ चिरुं तो
६।८ जत्राधार २।४ सुठो २।५ जुवां तु २।४ जिरा अमला फल
किरीलाई भुईं सवै मसिनु गरी पीन्ही कागती रस मीलाई ३।४
फेरा बल गरी सीया लमास काउ दे गर्त ॥ ॥ ॥

॥ पन्नालो द्वारा हुने माया नेइलाज ॥

मनका दाना १ सोधे को अफीन माला ॥ आपको को आफो गुडी
१ सवै मीलाई पीन्ही १ गोली तुलपाई रोजको १ गोली आनाले आ
राम हुन्छ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ हो दोओईलाज ॥

माजुम फल तोला १।२ जुवां तु २।४ अफीन माला ६ लेखी प्राका
ओवधि मसीतु गरी पीन्ही चनाजत्रा गोली वनाई राखनु मसओ
बधिले पन्नालो द्वारा हुनेलाई र आनामा भाउ भै पेट डरि

रहने वे थालाई चाडोनी को गर्त ॥ ॥ ॥

॥ अफोतकी १ ॥

जुवां तु भाग १ विडङ्ग १ भुंगराज कोर सभा पिन्ही गोली तुलपा
ईवानु पेट कुल १ पेट कुल १ आराम हुन्छ ॥ ॥ ॥

॥ अफोतकी २ ॥

वीडङ्ग १ मरीच १ पीपला १ भुदेको स्वाग १ लेखी प्राका ओ
वधि हस्त वाहु १ सख कागती कोर सभा बल गरी बलाल कोगा
ली तुलपाई राखनु वरती देवी अफमासा सभा बाने कुरो बहिल केप
दी आनाले पेट कुल १ पेट कुल १ आराम हुन्छ ॥ ॥ ॥

॥ भोगजगाउमा ओवधि ॥

सोधे को गै बक भाग १ मरीच १ पीपला १ सुठो १ सोधे तुल १ जत्राधार
१ लवाङ्ग १ लेखी प्राका ओवधि मसीतु गरी पिन्ही कागती कोर
सभा १० दिन सख बल गरी वरती को गोली वनाई दिनमा १
गोली सख भाग वहुते फाई दाग छ ॥ ॥ ॥

॥ पेटको चुरा लाई मारीनी काली पान राखी बढाउमा ओ ॥

अजमुडा १ वायु विडङ्ग १ सिधे तुल १ जत्राधार १ ठलो हरो १ पीप
ला १ सुठो १ भुदेको होड १ लेखी प्राका ओवधि पीन्ही १ मासा
को मात्रा गरी माली पेट भात ॥ ॥ ॥

॥ निरुक्त माला ॥

लाइ उरुताला ३५ सुरो माला ५ ल्वाड माला ५ सा ५ उरु ३५
जज नोद माला ५ सोधे को गोलगा तोला ३५ सोधे उरु तोला
ला ३५ जुता ५ का लोजी र माला ५ बीडे उरु तोला ३५ म
री माला ५ जाई फल माला ५ जाई पत्री माला ५ चित्तु को
जस माला ५ ४५ वडो माला को तोला २० - सीका रोह म
बीले बीका को ओव धी मली गरी पीडा स कच गुरु ल माला
का वजन मरी सीका हाली माता का भाडा मा पका उरु सोप का
उवाला ३५ उरु नम पात्र ल मरी मी न वहुतै आय को हाली न
मीला ३५ मधुर आ न दो कुं के पसारो लो न लाउते गुरु र पानी म
स्पष्टी ॥ मिकी फेरी अल गुरु मसि उ माला पदित माला ॥

॥ पाहिलान मर पाचक ॥

॥ जानी मर चुरा ॥

अडे को हेड माला ५ पाहाई सोप तोला ५ सुरो तोला ५ का लोजी
र माला ५ आफ का फल को को पी ला तोला ४ जिर माला ५ पीप
ला माला ५ मुपा माला ५ विडे उरु तोला ५ सीधे उरु तो
ला ५ ला मरी उरु तोला ५ म वि ले सोप माला ५ म माली लो
माला को ओव धी ह मली उ गरी मल गरी चनाज चो गोली पा
उ पार गोली स म माला शूल र पद का विकार लाई वहुते का

नवी मर को को (का ५५)

ईदाई ॥

॥ शूल म माला मर को ॥

का कराली म ५ अडे ल को जरा ५ गह न ५ आल स ५ तील ५
पुन न वा सारी को जरा ५ जो ५ लह सु र को पोरी ५ मती
ओव धी स म माला गरी को जी को पानी मा त ताई शूल म म
को म उ म से फ न शूल नी को उरु ॥ ॥ ॥

॥ वासु हरन शूल माला मर पाचक ॥

मुफे को उरु माला २ मरी च माला ५ सीधे उरु तोला ५ म
मिलो को छाल तोला ५ लेवी मा का ओव धी पीन्ही २ माला को
मा म गरी तातो पानी संग माला ॥ ॥ ॥

॥ अमर की चुरा ॥

ठुलो हर ति ला ५० सगु तोला ५० धनी आ तोला ४ चीतु तो
ला २ मो धे तोला २ माली ले तोला ४ मरी च तोला ५ म
ठो तोला ५ सगु पी पला तोला ५ जीरा तोला ५ म माला
थ तोला २ ॥ शूल लाई पिजा गल वा सु डिता बला मर न ड
ग म धि उ आ उ परे म माला वा लु व ड म मरी च मी म को का
ठाल ग वाली अडे उ को पानी संग प तोला को २ म म माला
मा स म गरी माला वहुते माला दाही ॥ ॥ ॥

॥ रेचक ॥ रेचक ॥ रेचक ॥

पाहाडी लोपनाला ॥ ४ जलन हरे मासा ॥ ५ मासा ॥
मोहपी जमला गरी पीन्ही ॥ ५ मा जगरी मातो पाने ॥ ५
मानुदल खलाल गद ॥ ॥ ॥ ॥

॥ कोट वद अमात्र नारा बाधीने मानी ललेसे वरुण ॥
वचालका गडु का पीढो कोरे ॥ ५ ले वरुण नाले ॥ ५
मेदा कोरे ॥ ५ ले वरुण नाले ॥ ५ ॥ ॥ ॥

॥ अर्धकपाल डुभको ईलाज ॥

जाई फल भाग ५ क्वा मुना को वीक्ष ॥ भाग ५ जुवातु भाग ५ गो
रख पात्र ५ वेसार हले दो भाग ५ लेखी माको ओषधि मसी ग
री पीन्ही ५ लोके ५ उज्ज्वोगोली पार तातो पाने ॥ ५ ॥ ५ ॥ ॥

॥ लाडने ॥

चामल दाना ३ रातो गेडी दाना ५ डुभो मेटा ५ लेखी माका
५ टी मसी गरी पीन्ही ५ डुभने न डुवने डुवै तीर ५ ४ डी ले
अ लेप गर्त आराम हुंद ॥ ॥ ॥ ॥

॥ सुव्ये वारु नै कपाल डुव दाको ईलाज ॥

समुद्र फल लाई पानी मा छोटी दाहीना पही डुवने चप्पा वाला र

वाजा पही डुवने चप्पा दाहीना ती नाकमा ३ ३ बुद स म
हली ५ गोले दद आराम हुंद ॥ ॥ ॥

॥ आधा सीत अर्ध हर तरका कपाल डुव दाको ॥
नोला गर भाग ५ मरीच ५ मोह पीन्ही ५ सुमोजलो मसि गरी
पिनी नमालि ५ क छिद्र मा दद आराम गद ॥ ॥ ॥

॥ अर्धकपाल डुव दाको ईलाज ॥

नोला गर र अले पी को वीक्ष मसि गरी पीन्ही अर्धकपाल
का दद न म मा ति रहली ५ गो आराम हुंद ॥ ॥ ॥

॥ दमको औषधि ॥

पीपला तोला ५ स्वाग भूटे को माला ५ कुलिंजन माला ५ मरी
च माला ५ अकर कला माला ५ ५ मरीजा का कपडा मा
पीपला वेडु ५ क धै दाल म भुयो मा पुसारे राखनु बाहाड
आन सेवे कले ५ पुष्प मारी कोर पाल मा मसि गरी पीन्ही
च नाज जो गोली ५ छपाई दोन को वगोली जम र वल ॥ ॥

॥ दो आ ॥

आक को न फुलो को को पी ला भाग २ पीपला को तगरी भा
ग ५ सीधे ५ भाग ५ लवे वं ५ मसि गरी पीन्ही जंगली ५
मर ज जो गोली ५ छपाई तातो पाने ५ लगे वगोली को मात्रा
गरी वान ॥ ॥ ॥ ॥

हरीयोमा कुन्नी चडि होल आउ द ते ले मा जमे को लपो लाई
मै द

॥ द नर खो को को दला ज ॥

बालको क्षारू आक्रको क्षार व पलासको क्षार २ क
राको क्षार पद व च द अ थो ल उ ह का क्षार द यति ओ
अधि व क न गरी अ लो गरी २ रति को मा चा गरी व ह स
म कान की तु बालो व ह स ला ह व चा व ल गरी को मा न गरी
मो हो अ न पा न गरी वान दी न ॥ ॥ ॥

॥ अ को आउ दा भुरव मा होल न ॥

मरी न व ज प डी म धु व मो मी २ सा उ के रा उ न नो गो ली
तु ल पाई आ न ॥ ॥ ॥

॥ ह ॥

मरी च तो ला व भु के को स्या ग तो ला ॥ न भु के को स्या ग तो
ला ॥ धू कु मारी सी न सी लाई अ लो गरी सा उ के रा उ न
नो गो ली तु ल पाई आ न ॥ ॥ ॥

॥ अ को को दला ज ॥

क प्र र ती १० न व सा ग र र ति १० क ल री र ती १० अ को र ती
२ सति ची ज म ती उ गरी स के व धी २४ गो ली तु ल पाई १ गो ली
को मा च गरी वान ॥ ॥ ॥

॥ क क दू स मा वाने ना ॥

अ मुरा को वो का १ हरे १ स जि व रू को वो का १ अ न्वा को
वो का १ पी प ला १ अ व ला १ व री १ जे जी वा को ओ व धि
पा गो मा व काई सा ज व हा ह वा व म ठी क प र दान ग री वाने ॥

॥ फुला मरी पितल का गडा अ म र्च ज ह म सा द

ग न्ध धु लो व ना ड पा त के वि ॥ ॥

कुरा न म ली तु गरी पी ने को भा ग ठ व ल व भा ग व ओ न को
मामा भा ग पाले ल र को धु लो कु दे को म ली न धु लो
भा ग २ भु रे को ही रा क ली भा ग व ल व व ल म ली तु गरी पो न्दी
मो लाई सी सी मा व री रा व न का ह प र मा च डी गो ते ल मा वी
लाई म ल व हु ते मा द ह ॥ ॥

॥ केश क ल र प ॥

क र ती ल कु री १ फुला न को धु लो तो ला ठ भु म क मा ली
२ ॥ भु र्द सी र व तो ल र ओ व र को ज डाना फुला न को ली
सी मा हा ली धु मे द ग डी रा व न री पु नाली ते ल को चो पा
हा ल उ न के को र उ का ला भे जा ड द ॥ ॥ ॥

॥ वरा दी का दि व टी ॥

वरा ठ म ल क र्म के हा म्बु के मरी च त था क र्म ध री च धा
न्या के पी प ली क र्म डी भु ती सु व्रा र्च क र्म स पु न क र्म

अ सैन्धवे पुनः ॥ त्रिकर्मजीरकैर् युक्तं चात्री चूरां पु
नरुभा हिमाय सार्द्धं सैन्धु चैव सवसा प्रयोजनम्
पुवर्धनं च कथं के विदुः कथा च मेव न भावे कहिं स
युक्तं भोजनं सत्वानि चूरां सत् कोलप्रमाणं वही का
वारोना कारं सत् पुनः उ इतना पाउपावेन वही चैव को
तु भक्षयेत् अग्निं श्री धमजि रौ च छदि हो हयं कृत
तथा अमुं पिबेत् दूरो चैव स्याम शूलं च न हान्नु स्या
ध्यातुं दोषं च भाहं जन मेज दरा नल ॥ शूलं हयं चैव
चैव ति वातपित्तकफोत्तनं वैवरादी कं वही रव्याता
क्षमिन्ना हा विर्यया ॥ ॥ ॥ ॥

॥ पो ह्येज ॥

उकेकोवाका छोरा माफा लहसुन सेर ॥ गाहिको डुद सेर ॥
मापकाई मावा वना डुद दोवर वाने वर मह बारको गाह
को छु तोला र मा मायी को वर मीला कर उरी डतारो च्वा
ऊं जाह पनी माहिकल मरी च मुल्लकी अलो च मुकमेल
हुलो हरे वावनी मुडा ॥ माला मीला डु ॥ ॥

॥ फाहडा ॥

कम्पवाट वाकवा अ धा गी इत्यादी वात को व्यमार्ज

तीतीको फेह मात्रा ॥ तोला व तोला सज ॥ ॥

॥ आभावाका डु चो लाज ॥

समुद्र फल भाग व काला की मोमी माग व कलुरी माग
व लेवी माका ओम चै सय भाग डु जाग ले चो ले ला ॥

॥ ह्ये मा ला डु चो ॥

हुलो हरे कोवाका व गेरु भाग व सिधे हु गरा व रसोजन
भाग व लेवी माका ओम चै मी ही न गी मी ही गोली वना
हरा ली ला डु परे मा चो ले ला ॥ ॥ ॥

॥ आभावाका डु लाज ॥

मुती काल गात्र र आभाका डिल ह्ये नु पाकने न मा मा अ
मल हो ड छोटी वाहीर हा मात्र ले पला डु नाले नी को डु ॥

॥ आभावाका मायी लाह आसु वगैर ह्ये चो ला

लो व डे सला डु चो ले व ॥

समुद्र फल भाग व सेतो जय भाग व मुट को को र की री
भाग व हरे कोवाका माग व र सेजिन भाग व अ की न भाग
व नीलो तुले भाग व लेवी माका ओम चै प्रसि तु मरी वी
ही पानी मा छो ले ला डु ॥ ॥ ॥

॥ विनाकार न ले आवा वाट आसु वगी आ ॥

इमलि गरी पीनी आमा माला तु तेजी नोई ॥

॥ श्रीमसेन कपुर वना उषत का व ॥

कसुरी तोला १ सुकमल तोला १ केदार तोला १ वाड
तोला १ जाई फल तोला १ कपुर तोला १ हरिद्रो वास को
गाल तोला ८ केर का गावा का मूल सुवी १ सती चीज
मीलाई माता का पाता मा छली चोनी मा कदोरा जो छो
पोलासन चूड़ का गरी वरा गऐ पिठो ले घेरा मालाई
बही को आन डो ॥ ॥ ॥ ॥

॥ कलुरादी तैल ॥

॥ सुपरी सारे ॥

कसुरी देवदारु अलर ग सुक्रने वच कपूर सधन निव्या
सं समला निवपत्र कम् ॥ सुत्प के स्वेतर व दिरे वालु वी
जीतु चन्दन ॥ सुतर क के लप चूरी तिल तैले सुपा चित
॥ विस्फोट का दिरोगे सुपदे हा स्न भे व च गभिरा म
पिमु अति म ह ने ओम ने हित म ॥ चन्दन मत्र श्री वराड

॥ इति कलुरादि तैल ॥

॥ मुखा पठाडन ॥

असेल जने को इसी का को कमरा घोरी जाडु नी को फे ॥

अआह ॥ इनके उच्चारण का स्थान कराठ है इसलीय इन
को कराठ वर्ग कहते है ॥ १ ॥ ॥ ॥

करवग घडु ॥ इनका उच्चारण स्थान जिह्वा मूल है इसलि
स इनको जिह्वा मूलीय वर्ग कहते है ॥ २ ॥ ॥

इइ चछ जरु अ बहा ॥ इनसवोका उच्चारण स्थान तालु
है इसलिय इनसवोको तालव्य वर्ग कहते है ॥ ३ ॥ ॥

अप हट ठ ड ठरा रव ॥ इनसवोका उच्चारण स्थान मू
की है इसलिय इनसवोको मूर्धन्य वर्ग कहते है ॥ ४ ॥ ॥

हर त थ द ध न ल स ॥ इनको उच्चारण स्थान दन्त है इस
कारण इनको ओष्ठ्य वर्ग कहते है ॥ दन्त्य वर्ग कहते है ॥ ५ ॥ ॥

रुस ॥ इनके उच्चारण का स्थान कराठ और तालु है
इसलिय इहे कराठ तालव्य वर्ग कहते है ॥ ७ ॥ ॥

ओ ओ ॥ इनका उच्चारण स्थान कराठ और ओष्ठ है
इसलिय इनको करोठे द्य वर्ग कहते है ॥ ८ ॥ ॥

उ ऊ प फ व भ म ॥ इनको उच्चारण स्थान ओष्ठ है
इसलिय इनको ओष्ठ्य वर्ग कहते है ॥ ६ ॥ ॥

मी प्रो ड धा परी पु म चो भन्या ची पलो की रा मी प्रो माला ई डी
पु नी को फे

॥ माग को भडा मागीली गर्ने ॥

मुदीसिख डोला — स्वर्ग तोला —
 अनाको धुलो अर्थात् मा — नीलो दुटा तोला —
 नुटोला

पल्ले स्वाग पायी मापीनी भाडा माला कुतु तेल पछि मुडा
 सीखर अनाको धुलो पीनेर लाकुतु फरे तेल को मापी
 स्वागले लेपतु पछि वाट नीलो नुटाले गरौ सुकाउतु
 मुफिसके पछि गीली गर्ने भाडा बी चमारा अतु बरीपरी
 गुईटा दो धरालगाई गुईटा का धुलो मपने गरौ आचड
 नु सेलापे पछि मिकी हुनु तपार डैछ ॥

रवो को कोई लाज के ताके टी हल्लाई

बैसलोचर पीपीमु — ह्येवा पात्र पर्स म आ
 जानती रिकी खरानीगुर्तु ईमु — तुल्सी को
 बीजा पती खल गरौ महसंगर पाली खानाले
 फाई दाग छ

अत्रि वनाने का

सबर बीड को आलु को आपका को पाफो बीजला
 हु पीठो पारी रंगला कुतु वडछ

दम को ई लाज

अककिला तोला — १॥ पिपला तोला — १॥

सुठो र — १॥ मपे पला मुल र — १॥

कुलीजन र — १ लवाड र — १

जाईफल र — १ दालचीनी र — १

मुग्रेलो र — १ बैसलोचर र — १

जंगी हरी र — १ कचूर र — १

बेलपत्र र — १ बेल र — १

जाईपत्री र — १ कालमी रिकसर र — १

स्वाग र — १ तुल्सी र — १

दुम्सी को मोडी र — ४ कछुवा को हाड र — ४

यो ओ साधिसमे मी लाई पागे सके पछि कोमाना

गरौ महसंग सुकाउतु दम को नीको हुईछ

तोयु अत्रा तिखियाहा गजी बापु मरुया

चौनी नातीले ब्रह्मसित नस थैकल सा लायु

मीमल को काठा मरु को छाता गाईका दुध मीका

हु हो पनालेनी को हुईछ ईडीका

आने दनेर विरम
 अमृता मे २ हउल शुभ
 मरच पारा
 पीपी गंधक मे ३
 शुच दूधला पू मे १
 साइगा

सु साका ने न न पुटी

र न स्व लाखल बल इडां रगु ता डने
 बाबी गा १ वरका हुडी साको जरा १
 बाल को जरा १
 मोल के पकाई गाई को नाडु त मलो नुपेन
 क्षी वे दान बेलु का आधामाना का इल रगु ता
 उगु नीको इंद

हासको कुंल भाग १ वेला सती सागु ह भाग १
 ववेने चावल को पु तो १
 वती बल गरी सुतने वेला मालाई उरु चापानी द

रेवा को का इलाज

कचैरा को गेडा बाहे क पात पाव पवाली साफु मी
 तंपका चोमी मामीलहि लफमासा का गोली पारो
 वे दान वेलु का कुता उ नीको इंद

अमल गुन को भाग

गरिव तोजा १ साल तो ल १॥
 श्रीमंड को पुता १ अगु र तोजा ५॥
 चमे ह ४ सवर ४
 तस्वा ४ लाले पुत ४
 धू ल गोकुल पुत ४
 गरिव धू माव काई कीनु अमृ माल सपे व
 लगरी धू ले पूत डी पुपवास आइ द

धुप वना उने

कीनी ४१ गाई को धू डव १ मह १॥ कभा गनु तो ४
 ठसिर ४१ विष्णु कांत तो ४ कै कोल के पू अगु ४॥

चैडन वना उने

कडु अगु १॥ विष्णु कांत तो ४ कडु तो २ वेड तो २
 मुरा तो २ मेवे कु तो २ जामा मती १ कमु ११
 कै कोल १ कुं फं ता २ आगु १॥

आइये मा ध्याइये
 गिरा भुक्का भाग व लेइये माग
 अफो म भाग
 यतो ~~भा~~ भाग भोला पिनी मदी उगरी पीनी लके
 पीनी गोली पारि व गोली बोला व गोली वे
 उ काता को नाम म ध्याइये रगत पी पीनी
 पीकोइये

के रे आइया लाइये
 मोला को इत न धुंगा साग ताग ल्या
 पीनी पीला को कुल र पाली लाइ
 इउ काग म ताग पीकोइये

पारो म मड म तकी पि

फलाम का कडाई मा अमी ली का पातले मा
 रु ५ मा मी नीलो दुतो को धु लो फी जोइये
 उरका मा म मा पारो राखतु के दोराले धोपतु
 तला धी धारो पारी मा मी पानी हाइये ४ प्र
 हर सप्त आच इतु त्यो पाने

मा दी को गी ली गर्ने तकी व
 पहिले धारै काही क को पानी मा उराइये अ
 लिखर पदी उर अली कती पीने र राखतु रात्रो
 इं ध ४० वाजि पानी लो धा ई सके पदी फरी
 अली कती पानी हाली सफे ड रंग को पोता
 स मी लाई ४ घंटा इ बाहु उ तावा पीतल इवे
 माइये

उरको तेजा फरी कया
 गंधक भाग व स्वरा भाग ॥ फटु फिरी भा
 ग ॥ रितले जं न मा मी क तु ॥

औं साधि सवेरें यागु. २।३ धैरापु

पागु म. ल. को म. यागु
पेट का सफा का लि व त्रि कुला
पों छु क के ली य गु ड ची का सत
से या ना.

दो टि पी पल. मरीच. सोठ. भार
जी. चुरा क के सह का साठे या ने से
या सि. स्वा स. सुल. रोग को ना सहो तो
ह डी या ड माने सखर. का साठे खाने
ले रक्त का विकार को अद्दा करे गा
त्रि कुला. त्रि कटु. असुरा का चुरा पी
सके. हा ख भ स्या मिला के खाने से पा
राड रोग को अद्दा करे गा. तागत विहोता
है.

स्य धावाला मिला जीत. दो टी ई लाटु मि
बां ड माने सखर. को मिला कर खाने से.
मु न हो ग को अद्दे करे गा
हवा ड. का स्त्री रो के हाट. तालि सपन.

हिं गुला. अक क ला. दो टी पी पला. य
सन स म भा ग कर के १ मासा के नुर अ
की म आधा भाग. ना गे खर १ भाग
ख के चुरा क के औ साधि को मीला
के खाने से धातु पु स करे गा

सि धे गुर. ल्वा ड. चि रे ता. हर्दि. सह
ड. स म भा ग करे मिला के चुरा कर
के खाने से ज्वर को ना स करे गा

सि धे गुर. त्रि कुला. ल्वा ड. का सिरी
के हाट. सिंगी जू. चुरा कर के खाने से
दल को ला य करे गा

पान का सख खाने से धातु का वृ धि हो गा
वि दारी कराड का चुरा के साध खाने
से धातु को बढावे गा

भा ड अज पायट. १।२ लाल को भा
ग गही पी ली य लको साध खाने से व
मर को रो के गा

[illegible]

२
 श्री गीता
 श्री गीता श्री गीता श्री गीता
 श्री गीता श्री गीता श्री गीता
 श्री गीता श्री गीता श्री गीता

८४ साल मा ५७।३ का
 १० न मा ६ वी मा ५ वारि मा
 ६ मे वारक रोज एको
 सराए पले मो ६५ ————— ९८

तस्मान्नानि पाप्मा
 मीकृत्वा प्राप्ति
 यो न तान् लब्ध उद्यत
 तन्मिमांसा तन्मिमांसा
 मम उद्यत

नारक का मुख्य पात्र मुख

विष्णु-

शिव ब्रह्मा ईश्वरी

रावरा

वासिष्ठ

दसरथ

राम लक्ष्मण रावरा भरथ लचुधन- राजा दसरथ का छोरा

विश्वामित्र-

जनक-

गुह-

दुमान-

सुग्रीव-

बालि-

अंगद-

नारायण जो विश्वामित्र

देवता हू

लडू का छोरा राजा

राजा दसरथ का कुलंग्र

अयोध्या का राजा

राजा दसरथ का छोरा

प्रख्यात मुनि-

जनक परकार राजा सीता का बाप

माही हू का राजा-

सुग्रीव का म-त्री-

किष्कि-धा का राजा-

सुग्रीव का दा-पू-

बालिका छोरा-

म-धरा

सुर्परा-

विभीषण-

भारीच-

मुय-त्र-

कथकली-

मेघनाद-

स्त्री-

लक्ष्मी-

कोसल्या-

मुमित्रा-

प्रभरा-

सुर्परा मा-

सवरी-

मन्दोदरी-

सुलोचना-

केके धी-

सीता

सुग्रीव का वै-ध-

रावरा का काँधो भाई-

लाडू का राक्षस को छोरो-

दसरथ का म-त्री-

रावरा का माहीलो भाई-

रावरा को छोरो-

विष्णु को स्त्री-

राम की आँ मा-

लक्ष्मण लचुधन को आमा-

केके धी को केटी-

रावरा को वै-धी-

राम दासी। भिल्लिनी-

रावरा की स्त्री-

मेघनाद की स्त्री-

भरत की आँ मा-

राम की स्त्री-

समीभने को वीरुवा मो वृक्षम
का गर्भमा अग्नीजली रहे को ईद
दर्शन जन्तु ले सर्वपाप हरण ईद

वा २१९२

७ साल का ती ५२० गते मरु दुर्गा
ले मोहर १६।१५ भा वैध कराले को
चाडी को ईदनी जगे १

एका ती २।५ मा ह वाट मोर २।५
व वैधान की को अंते वीजुं को गजे १

७।८।२३।२ भा ते जा ॥ अमां नं ध दु
मा के मा ॥ मा ॥ २ गुं को ५ मा ११

को मोर फी ता आयो

६१ साल जे ह ३२ गते जे ह सुडी २२
ज ५ काडी मरा ती मा ही ली
पर लोग मय को

१६८२ साल अ धी कचेन वडी १६ रोज ७ मे
५२० गते का दीन को १२ वजे आग्नि
तमा आमा पलो गहुं भवा को मीती
१६८५ साल प्रथम आवरा सुडी ६ रोज ५
आवरा १२ गते वेहान को ६॥ वजे स्वा
हरी अस्म माया वी हनु मती मा पर लोग
भवा को मीती

८५ साल पो य १२ गते रोज ४ मार्ग सु
डी १५ का दीन हिरा देवी ल्याडडा बर्न
न गड मोहर ५०। खाता बर्न मोर ४।
धोती भा १६८। न गड भप मोर ५।

१० वरी ५ इमम

७ साल का ती सुडी ११ का ती ६१६
गते ७ का दीन को ५ वजे घी न अहुज
गडे हेए देवी प लोग ममा को

सौ न ५ का लो ग न्नी

सु १ तो ला ८ मु दसं ख तो ला १ ला सु
सु तो ला ७। य ती ती न थो क सी ला ई स
सी ५ ग रे पि ती ते ते मा दाली
का ठ ले धो त सु ला फ भ या प धी त या
८ ६ द रौ मा ल गा ५ दा धो ला मा ला ग्यो
भ या फो का ५ ६ द

अंग रे गी का

सो ५ तो ला ७ गंध क तो ला ५ को
ई ला तो ला ७

सु सु क सु लु क को वा रु द को त को प

का कु ल को

लो ५ तो ला १० गंध क तो ला ८ को ई
ला तो ला १२

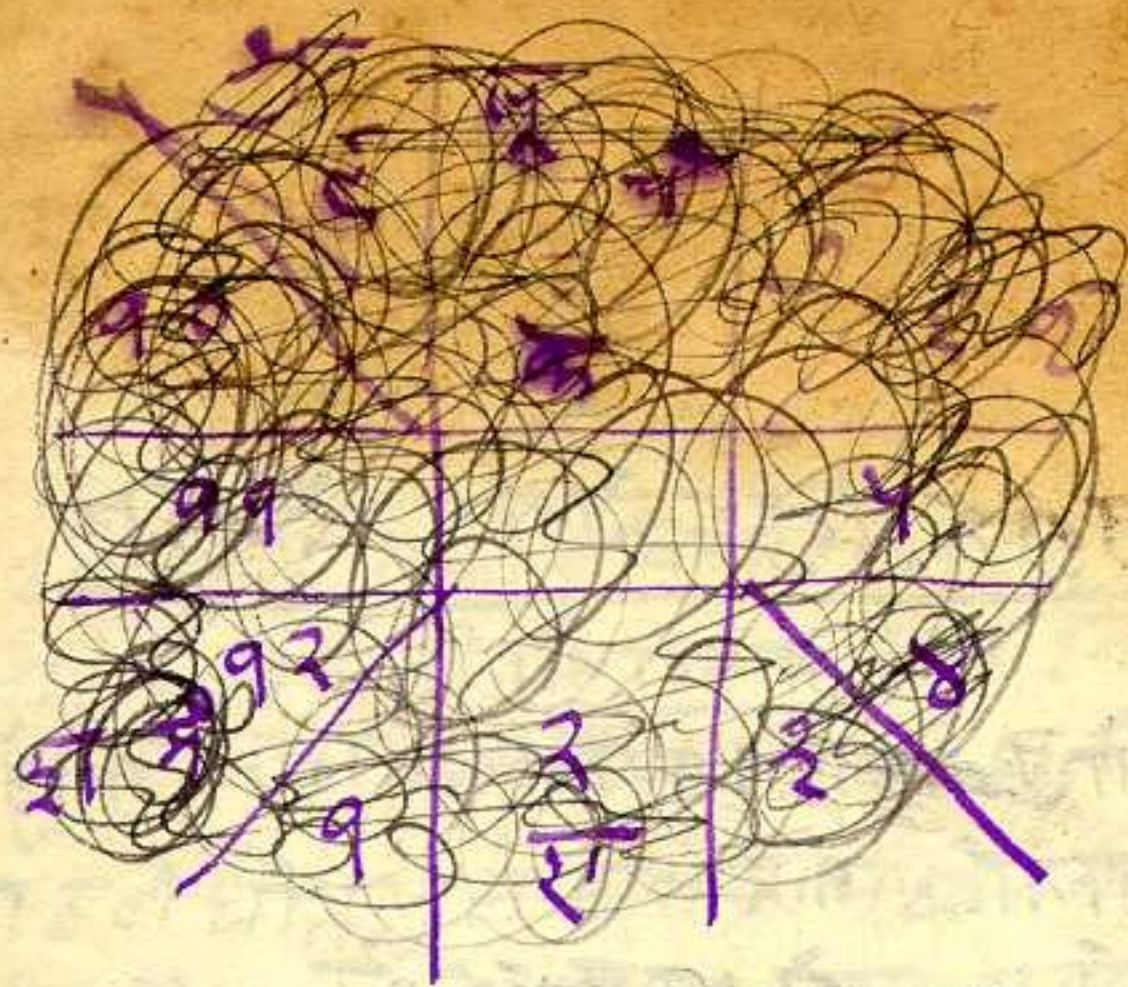
दो आ सु लु क को

लो ५ तो ला ७ गंध क तो ला १० को
ई ला तो ला १४

अंग रे गी का

लो ५ तो ला ७। गंध क तो ला १ को
ई ला तो ला १॥
लो ५ तो ला ६ गंध क तो ला १ को ई ला
तो ला १॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



मेरे नक्षत्र चक्र ३५। ३९
परीक्षा ३५। ३९

१०

५३॥॥॥ वेदोपनिषद् १०॥॥॥
 १०॥॥॥ वेदोपनिषद् १०॥॥॥
 १०॥॥॥ वेदोपनिषद् १०॥॥॥
 १०॥॥॥ वेदोपनिषद् १०॥॥॥

८५ सा ल मार्ग सुदी ४ मार्ग
१६ गते ऐज ५ मा श्री विजये
श्री मा चढा बाको चाडी
को तुलसी माला १ कोडी

५४ साल मार्ग सुदी २ मार्ग १५ गते रो
गो उकादीन अल हीगा जो का मधारी
का कर्व जा र प स ले के दोरी रा म मा श्री
लपा उदा खर्य स्वा इगो

खाउता के मोन 2140

नीज का सानी आमा दे पोर २०।

माद्री-मीलाई मोरु — ५१

५४ साल का गुरु २ गते राज १ का गुरु
मुदी १४ ती-व्ये नद्ये-न आया जोग न
प्रा रे वत्यां १ गते म, विहन को ॥ ५
१ गते ती-व्ये गद्या को मीनी —

४४ गिरिगारु १३२०
 गिरिगारु १३२०
 गिरिगारु १३२०
 गिरिगारु १३२०

६७ साल वैसाख दशमे श्रेष्ठ ७ वै
 रसुडी १३ काडीन कालीमा
 नीव छे चन्द्र देवि आकाको दी

वासुदेवताडने

चीरुमा

सोडा तोला ७१॥ गंध क तोला १० को
 ईला तोला १

ईला नी

सोडा तोला ७६ गंध क तोला १०

को ईला तोला १६

रुमको

सोडा तोला ७० गंध क तोला ११॥

को ईला तोला १८

सेतो वासुदेवा ईको ईला को सदा
 भेडा को सीङ्ग को वा गृगरी राव
 भा ६ को मा ६ र गृम

२२२

२२२

६१ साल मार्ग १६ गते ऐज
 मा चंड वाडा वाट वंधक
 आ पाको ही एको तप गे ८१ के
 सापती ग पाको मोरु ५०१
 ६१ साल मार्ग २१ १५ मा ही
 वा हाड एको ६८ लाई लापरी
 ग पाको मोरु २५१।

१६६६ साल चैत्र ३१ गते
 तेरो ३ चैत्र सुदी ८।६
 का सीत मदी दुता भ ३०
 र थता नेने लासा असीता बरदा
 २३ अ वला ना को प रे ३

६८ साल कार्तिक २८ गते ऐज
 ५ मा धर्म बली वल्ला उर मा प्रो
 मने ध्या क काम ग जो ह लग
 प को सी

६८ साल मार्ग सुदी २ मार्ग प गते
 ऐज ५ मा सुकराज धि ऐज वाट
 दोरा पै ५१ मा प्रो को सी

श्री काली का धुप

कलुरी लाल ५ कपुर तोला १
 कुं कुं लाल ५ नखी तोला ३
 रुद्र गाल लाल ५ सील तोला ५
 श्री वरु तोला ४ डेव डारु ६
 गोकुल धुप १२ जनामली १६
 चीनी तोला ६ धूप तोला १६
 धुपी ६ सुगंध वाल ४

नाशयारि धुप बना देने भाग

श्री वरु तोला २ उसीर तोला २
 रुद्र भाग २ साल धुप २
 कुं कुं २ चीनी ६
 गा. धूप ८ कलुरी ११
 केसर २ कपुर २

गोकुल धुप तोला ६
 जनामली ६

आदौ हस्त पादादि कुशु
धि करके रै क वरु चक
द न चक्रमे मूलाधार
स्थान मे श्री गणेशजी
कु ध्यान करना अनन्त
र गुरु ध्यान अनन्तर
शेखजी कु ध्यान करना
शेखजी कु ध्यान विधिः

विहा न सवेरै उठी कर पढ़ने
प्रातः स्मरा मि भव श्री ति आ हा ना
सा ते नो रा धरु गंग मू ड वा ह न य ड
ग र्ज ॥ आ हा वि भू ट हू व र वा र रा
शक्ति हे नु चक्रा यु धो त मूरु ग वा
रि न प ज ने र ॥ १ ॥ कर ये व द
ते ही भो कर म ध्य ग ता ड ॥ कर
मू लो स्थितो ब्रह्म प्रभाते कर द
स न मः ॥ २ ॥ अ ह द्या द्रौ पति
ता रा कु ती म नो द रि ता था ॥ पं
च क न्या स रे नि र्प मा हां वा
न क ता स न मः ॥

ही लागै सवे पदि हात सु हा प
वा जी मा ले लगाई हा र चोई स
वे प द्दी लो ह न ग ड वा जी मा ले

लागाई धुत अंगी सुहा धुत सुहा
धोई लने पदी उजा या पञ्ची फको
कली प्ररु गुरु दाली प्ररु गारि सने प
दो आरु यन गुरु आ चम र गडा मर

अच्युताय नमः अनन्ताय नमः
माधवाय नमः गोविन्दाय नमः

लोसके पदी टिकाला उरु गऊ
गीमा न्वाहु नजा डा सारा केरे कोता
लोले न्वाहु उ असलालालो ले
न्वाहु उ गंगा जी ज्ञाना वा दवह
उरु प्रा को द उते विर फके रे न्वा
हुतु पद

संकल्प प्रकारः =

ममोपात्त समस्त दुरित क्षय
द्वारा परमेश्वर प्रीत्यर्थ आत्म
महामन्त्र जप करिष्ये -

र २ वं

पु

विहान ४।५ वजे उठी हात सुहा धो
ई सुद्ध मे टिकाला गाई व ध्याने मा
या कोई लुद्ध ठाड मा तु आ सतु लो १।

२ घंटा वहन सकुद्ध उते आ सतु ग
रो व ह म आ सतु का हो स नि

का ध्या न गडा मने

मारो या ज्वर कुरगा सरु स्रः विधु
त विस्व भरा म राड लाय अनन्ता
य ना ग रा जा य न म अथाऽमि स न प्र कारः
गुरु अनी गुरु का ध्या न गुरु
मने

गुरु इ प्र ह्मा गुरु इ वि ह्मो गुरु इ दे
वो महे स्वरः गुरु इ सा क्षा ति परे
प्र ह्मा त लो श्री गुरु अ न मः अ
नी ध्या न ग नुः

ध्यान गरी सके पदो आ यु सारि
 रमारहे को मुला धार चक्र वाट
 अग्नि प्रज्वलित गरी ४ दलक
 मल को कुल प्रगल्भ गरा उरु सो
 ही क मल का कुल को झाडा मा
 लाल वर्ण भया को वासी कृष्ण
 वर अमय आस र मय को श्री ग
 रोहा नि आये है भानि विराज
 मान गरा उरु उरु गरोहा नि
 लाई पैले ह्यान गरा उरु चंद्रा
 न अदेना कुल माला पही राह
 पुन दि पने वैद्य वल्य भेटी चठा
 ह पुजा गरी सिद्धि दी उरु वस
 भानि वर मा गुरु
 अनि सोही मुला धार चक्र वा
 ट अग्नि लाई उरु उरु अग्नि

प्रज्वलित भय पदो आ यु सारि
 लाई सो अग्नि मान ला उरु गला
 ह आग मय पादे वरा निको भु प्रो
 ईद सो वरा निलाई हावा लगाई
 उरु दिनु वरा नि उरु सके पदि
 सिर मा या ना क मा थी क वाल मा
 गाहा भय पाने सहा अदल क मल
 प्रगं गरा ह सो ही क मल का गहा
 मा पुरा चन्द्र को ध्यान गरी विर
 न मान गरा उरु सोही पुरा चन्द्र
 वाट अमृत को धारा वसा उरु र
 श्री उरु महे वर अर्ध अंग दि
 वजी को अर्ध अङ्ग पार्वति नि
 को माते को स्मरण गुरु सोहि
 उरु महे स्वर को मरु प म मो मनी
 स्मरण गरी सके पादे उरु ह

गोचन्द्रमा प्रज्वालित उरेव पद्मि चन्द्रमा

०० स्वरलार्ह सह श्रुतलकमलका
गहा मा विराजमानगरा कुतुर
इमानगरा कुतुराइन अद्वैता के
लको माला पहिरा कुतुरे वेधव
ल्य भोटि चढा कुतुरे जगारिल
के पादि ~~जलमं च जप कुतुरे~~ स्वरणा
गर्दा देवि आत्म महामन्त्रस्य
अस्य श्री हंसमं च मन्त्र ब्रह्मा च नृशि
हो गायत्रि हस्तः ॥ ध्यानम् ॥
आत्मा देवता है विनै सहशक्तिः
ममः सकलाः
अग्निस्तु कालिदेवै ज्ञानवैराग्य
सिद्धे चैव विरिण योगः

ध्यान न
 अरुण कस्मक वर्ण रूप ज्ञान
 स्थं च गोपनीं हरिं यमिनाचे

को लोख बाहेर अणि को ज्योती मी उरवत
माहीली हें पाने देखिं दृष्ट पानि
सोलाई — १ ध्यान मनु पद
गोली पा — १ नचा मित्र

न्हं सो म्पुता नून पार्ति ॥ अवनुच
 मदभिस्ते प्राप्ताये वास टिक्का
 ५ अयवरदू विचित्र रूप मूर्ति विवे
 शाम् ० ०

सो ध्या न के गरी सके पादि मुल
 में न सके १२००० हजार न सके
 १२०० सय तेनि व की सके न न
 ने ११२ सय न प ग रु.

ध्यान गर्दा आवालाई नाकका
दुप्यामा यादा या वा ना हातमा
यकत्रगरि माथीलेटि याका
फुरालाई समग्रि होरे या केहि
उमा महेश्वरको मुर्तिको फोट

श्रीगुरुभाहारजको
नाउठेकाका

केकटेचरप्रलचारी
पूरणनन्दमठहुनुमान
घाटवनारसुशिरो-

लाहोरेयकाग्रगुरुपद
आनिध्यानकोयादईद

वाहुनारयणकोनाउ

केशव. नारयण. माधव.
गोविन्द. विश्व. मधुसोधन.
श्रीविक्रम. वामन. श्रीधर.
नृसिंहकेश. पञ्चनाभ. दा
मोदर १२

उहीसे श्रीगुरुममानदेउहोनाह
श्रीसूर्यनारायणप्रगटहोनाहैवो
विवाहरकाहैप्रगटहुवाबालासू
र्यकोदिष्टीअलानेवालाभनि
एप्रज्वलितकरनेवालाछोटीहो
नीहैवैसाहैसरिरमेभीपज्यो
नीहैवाहैजोतिकोरबलानेवा
लेछोटीहोतीहैजोश्रीसूर्यन
रायणकोप्रज्वलितकरनेवाली
छोटीज्योतीहैवैहीआयूसासरिर
मेरहनेवालेप्रज्वलितदेखताने
बालेयकहिहैवाहैहमहैहम
हिबहुहैकरकेयकाग्रध्यान
करनेसेबहुतैअद्याहोनाहैछा
नविरुलताहै

श्रीः
 मरणावलिप्रामा
 निरुत्तां प्राली
 क्रो २ करो
 मने वदी
 प २५ मो हा

पञ्चमोऽङ्कः
अनन्तरीत्य

पृष्ठ

श्रीगणेशाय नमः

344

पलाहाओ कूल

757

सामर्थ्य ५३८

वायु

८७११-६८०१५

311 का ल

55 2.5 45 50

का कं जै धा. कालो चा ही र सै ख पु
 स्य अ म २ गु ली मी ल पो र व ता ड न
 पा पो ल के त्पो ओ स धी ला ड न ल से
 तो रो स ड काले काले डूँ छ से तो ड म
 डूँ
 स तो वि आ म या को रा तो डूँ म्बी
 के जा यो म ने मा हा रो म का ओ
 स धी ला डूँ डूँ

पृष्ठ २५
१५
१५

श्रीगुरुदेवकीपादसेवा
श्रीगुरुदेवकीपादसेवा

१२५ श्रीगुरुदेवकीपादसेवा

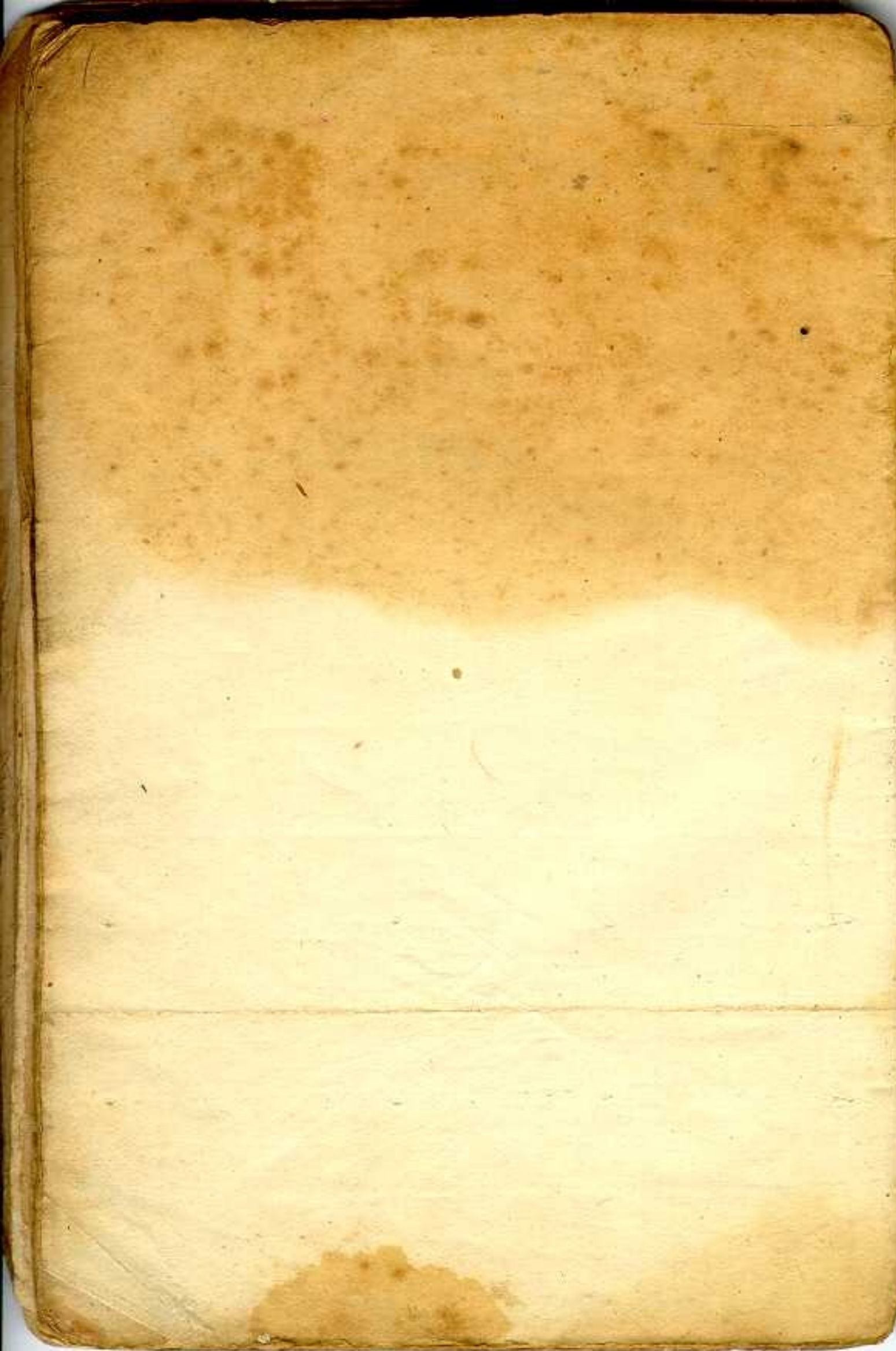
१२५

श्रीगुरुदेवकीपादसेवा

श्रीगुरुदेवकीपादसेवा

श्रीगुरुदेवकीपादसेवा

पृष्ठ २६



Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation from the previous page. The text is written in a cursive style and is somewhat faded. The visible text includes:

॥ २ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ २ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ४ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ५ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ६ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ७ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ८ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ९ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ १० ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सम्बन्ध १६८६ साल मार्ग १० गते ऐ
जि २ मार्ग १२ श्री-श्री महा राजा
पु-इलमसे जाऊ वा हा इराणा स्वर्गी
अपाओ हो

८८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥
 १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥
 १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥
 १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥
 १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥ १८ ॥

धामको नाउ

सम स्तुत नवाह

त्रिमज्जोतिमं

पर्वते दमले उजाले घालूँ दसो
घालूँ थरी कोई द १ थलो लामो
लामो पानूँ द १ सातु पाए पत्रिला
नेई द सो सातु चाही को जर उबेली
साप संग कुट्ट कुटी सके पदी सोही
~~को का पारे दालि रस त्रिकाली~~
सो रस रतो लामा १ तोला पारो द
ली चीनी आवा पठु को कुचो रामा
राखी घाम मारखी सोही घाल

आ-न गाकी-रुं दने लया है सो मल टा नें द

